दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 120 | ग्वालियर, रविवार, 03 मई 2020 | पृष्ठ: 08 - मूल्य: 2 रु.

दूसरे राहत पैकेज को लेकर वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण और गृह मंत्री अमित शाह से मिले पीएम मोदी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। कोरोना वायरस लॉकडाउन के चलते देशभर में पैदा हुई आर्थिक चुनौतियों के बीच इससे प्रभावित उद्योगों को दूसरा राहत पैकेज देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण समेत कई अहम मंत्रियों और आर्थिक मंत्रालयों के साथ बैठक की। समाचार एजेंसी पीटीआई ने अपने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री ने शाह और सीतारमण के साथ विचार विमर्श किया। वह इसके बाद सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रम (एमएसएमई) जैसे अन्य प्रमुख आर्थिक मंत्रालयों के मंत्रियों के साथ भी संबंधित मुद्दों पर बैठकें करेंगे। वित्त मंत्रालय शनिवार को ही बाद में प्रधानमंत्री मोदी को अर्थव्यवस्था की स्थिति और इसे संभालने के लिए मंत्रालय की ओर से विचार किए जा रहे आगे के संभावित कदमों को लेकर एक विस्तृत प्रस्तुति भी देने वाला है। मंत्रालय ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह के मासिक आंकड़ों को शुक्रवार को जारी करना टाल दिया था। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को नागरिक उड्डयन, श्रम और शक्ति सहित विभिन्न मंत्रालयों के साथ बैठकें की थीं। उन्होंने गुरुवार को वाणिज्य और एमएसएमई मंत्रालयों के साथ घरेलू व विदेशी निवेश आकर्षित करने तथा देश में छोटे व्यवसायों के पुनरुद्धार पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श किया था। इन बैठकों के दौरान मोदी के साथ गृह मंत्री और वित्त मंत्री- दोनों उपस्थित थे। सरकार ने हाशिये पर स्थित लोगों की कठिनाइयों को कम करने के लिये मार्च के अंत में गरीब महिलाओं और बुजुर्गों के लिये 1.7 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी। सूत्रों ने कहा कि सरकार जल्द ही प्रभावित उद्योगों के लिये दूसरे प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा कर सकती है। गौरतलब है कि सरकार ने पहली बार लॉकडाउन 21 दिनों का 25 मार्च से लगाया था जिसे बाद में और 2 हफ्ते बढ़ाकर 3 मई तक किया गया और अब नए संक्रमण के मामले को देखते हुए लॉकडाउन को 17 मई तक कर दिया गया है। लॉकडाउन के चलते व्यावसाय, हवाई और रेल यात्रा के साथ ही वस्तुओं और लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई। लेकिन, सरकार ने 4 मई से लॉकडाउन के प्रतिबंधों में छूट देने का फैसला किया है और ऑरेंज और ग्रीन जोन में आने वाले जिलों में उद्योगों को खोलने का निर्देश दिया है, जहां पर केस या तो न का बराबर है या फिर कुछ मामूली केस आ रहे हैं।

CRPF के पूर्वी दिल्ली कैंप के 122 जवानों को हुआ कोरोना, 68 नए केस मिले

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से अपने पैर पसार रहा है। इस महामारी ने अब पैरा मिलिट्री फोर्स के जवानों को भी तेजी से अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। दिल्ली में

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 68 और जवानों का कोरोना वायरस टेस्ट पॉजिटिव आया है। सभी जवान पूर्वी दिल्ली में एक बटालियन के कैंप से जुड़े हैं। इस बटालियन में पॉजिटिव मामलों की कुल संख्या बढ़कर 122 हो गई है। वहीं, सीआरपीएफ में कोरोना के मामलों की संख्या 127 पर पहुंच गई है, जिनमें से 1 जवान ठीक हो चुका है और 1 की मौत हो गई है। कोरोना पॉजिटिव पाए गए सभी जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनके संपर्क में आए लोगों की तलाश की जा रही है। अभी तक इन सभी में कोरोना वायरस के स्त्रोत का पता नहीं लग सका है। इसके साथ ही कैंप को संक्रमण मुक्त करने का काम भी जारी है।

लॉकडाउन के बीच घर के पास से युवती का अपहरण, खेत में ले जाकर किया रेप

रेवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी जिले में लॉकडाउन के कड़ी सुरक्षा के बावजूद एक युवती का अपहरण कर रेप करने का शर्मनाक मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, घर के पास घूम रही एक युवती का बाइक सवार दो युवकों ने अपहरण कर लिया और पांच किलोमीटर दूर गांव जाटूवास के खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात के 24 घंटे बाद भी पुलिस आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा सकी। शहर के एक मोहल्ला की रहने वाली युवती गुरुवार शाम को अपने अपने घर के पास घूम रही थी, तभी बाइक पर आए दो युवक उसे जबर्दस्ती उठाकर ले गए। जब वह काफी देर

तक घर नहीं लौटी तो परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। छानबीन के बाद पता चला कि युवती को दो युवक गांव जाटूवास के खेत के पास बने एक कुएं पर ले गए। वहां पर एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपियों ने उसे इस बारे में किसी को कुछ भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। घर पहुंची युवती ने जब परिजनों को आपबीती सुनाई तो उन्होंने सेक्टर-3 पुलिस चौकी पर इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

आदमी ही नहीं जानवर भी कर रहे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन

लखनऊ। कोरोना वायरस (कोविड-19) के कारण दुनियाभर में कोहराम मचा हुआ है। रोजाना कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 2.39 लाख से ज्यादा हो गई है और संक्रमितों की संख्या 34 लाख को पार कर गई है। दुनियाभर के लोग कोरोना से बचने के लिए सेल्फ-आइसोलेट हो रहे हैं और या सोशल डिस्टेंसिंग को फॉलो कर रहे हैं। इंसानों के साथ-साथ जानवार की सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में से एक वीडिया वायरल हुआ है जिसमें दिखाया गया है कि बन्दर अलग-अलग एक निश्चित दूरी बनाकर बैठे हैं और एक व्यक्ति उन्हें भोजन खिला रहा है। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने यह वीडियो ट्विटर पर शेयर करते हुए लोगों से सोशल डिस्टेंसिंग फॉलो करने की अपील की है। सुरेश कुमार खन्ना ने ट्वीट कर कहा कि शाहजहांपुर के निगोही क्षेत्र की यह घटना हमें सन्देश देती है कि किस प्रकार कोविड-19 के समय में प्रकृति से तारतम्य बनाकर जानवर भी समयोचित व्यवहार कर रहे हैं।

न्यूज ट्रैक

नीतीश कटारा हत्याकांड: पैरोल के लिए विशाल यादव की दलील जेल में हो सकता है कोरोना

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2002 में नीतीश कटारा की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे विशाल यादव की पेरोल याचिका को सक्षम प्राधिकारी को एक प्रतिवेदन के तौर पर स्वीकार करने और 15 दिन के भीतर इसका निस्तारण करने को कहा है। जेल नियमावली के तहत सक्षम प्राधिकारी उपराज्यपाल हैं। यादव ने अदालत में आठ हफ्ते के पेरोल के लिए याचिका इस आधार पर दायर की है कि जेल में उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने का खतरा है क्योंकि पूर्व में वह तपेदिक का मरीज रह चुका है। न्यायमूर्ति ए के चावला की अदालत ने कहा, यह अदालत का विचार है कि प्रथम दृष्ट्या इस मामले पर सक्षम प्राधिकारी को विचार करने की जरूरत है। इसके बाद दोषी के वकील ने सुझाव दिया कि याचिका को प्रतिवेदन के तौर पर देखा जाए और समयबद्ध तरीके से इसका निस्तारण हो। दिल्ली सरकार का पक्ष रख रहे अतिरिक्त स्थायी वकील (आपराधिक मामले) राजेश महाजन ने अदालत को आश्वस्त किया कि गुण-दोष के आधार पर प्रतिवेदन पर विचार किया जाएगा और तीन हफ्ते के भीतर इसका निस्तारण किया जाएगा। इसके बाद, अदालत ने सक्षम प्राधिकारी को इस याचिका को प्रतिवेदन के तौर पर देखने और एक मई से 15 दिन के भीतर इसका निस्तारण करने का निर्देश दिया। इसने कहा कि लिए गए निर्णय की सूचना याचिकाकर्ता को दी जाए। अदालत ने कहा कि रिट याचिका निस्तारित की जाती है। सरकार ने अदालत को बताया था कि जेल में दोषी के कोरोना वायरस से संक्रमित होने का कोई जोखिम नहीं है। इसके अलावा उसने यह भी कहा कि जेल के रिकॉर्ड दिखाते हैं कि दोषी की चिकित्सीय स्थिति स्थिर है और वह टीबी से ग्रसित नहीं है। सरकार ने यह भी कहा कि जेल नियमों के तहत आठ हफ्ते का आपात पेरोल सजा में माफी के बराबर होता है। हाईकोर्ट ने फरवरी 2015 में यादव को जेल भेजते वक्त कहा था कि 25 साल की असल सजा पूरी करने तक उसे किसी तरह की माफी नहीं मिलेगी।

जनधन खाते में 500 रुपये की दूसरी किस्त इस दिन आएगी, पैसा निकालने का ये है नियम

नई दिल्ली। जनधन योजना के महिला लाभार्थियों की 500 रुपये प्रति महीना की दूसरी किस्त 4 मई से उनके खाते में आनी शुरू होगी। बैंक अपने खाताधारकों को एसएमएस के जरिए इसकी सूचना भी दे रहे हैं। लाभार्थी राशि की निकासी के लिए पड़ोसी एटीएम का कार्ड, बैंक मित्र, छ्स्कके साथ इस्तेमाल करें जिससे ब्रांचों पर ज्यादा भीड़ न जमा हो। इस बात का भी ध्यान रखें कि दूसरे बैंक के एटीएम से पैसे निकालने के लिए वर्तमान में भारत सरकार के निर्देशों के मुताबिक कोई चार्ज नहीं हैं। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने जनधन खाताधारकों को एसएमएस संदेश में कहा, हमें आपकी चिंता है ! प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत पीएमजेडीवाई की लाभार्थी महिलाओं के खातों में 3 महीनों के लिए 500 रु प्रति माह जमा किए जाएंगे।आपको पैसा निकालने की तारीख़ और समय के बारे में सूचित किया जाएगा। आपसे प्रार्थना है कि दी गई तारीख और समय पर ही बैंक शाखा/बैंक मित्र से संपर्क करें । सावधान रहें, स्वस्थ रहें-धन्यवाद कोरोना-19 संकट पर गरीबों की मदद करने के लिए, सरकार ने 26 मार्च को कहा था कि अप्रैल से शुरू होने वाले अगले तीन महीनों के लिए महिला जन धन खाता धारकों को 500 रुपये का पूर्व-भुगतान भुगतान जमा किया जाएगा। वित्तीय सेवा सचिव देबाशीष पांडा ने शनिवार को एक ट्वीट में कहा, लाभार्थियों से अनुरोध किया जाता है कि वे बैंकों और सीएसपी पर जाने के लिए नीचे दिए गए शेड्यूल का पालन करें। एटीएम और बीसी के माध्यम से भी पैसे निकाले जा सकते हैं।

घर वापसी का इंतजार: कोरोना लॉकडाउन में फिर

महाराष्ट्र में सड़कों पर उतरे हजारों प्रवासी मजदूर

मुंबई। कोरोना लॉकडाउन के बीच महाराष्ट्र के चंद्रपुर में करीब 1000 से अधिक प्रवासी मजदूर शनिवार को सड़कों पर उतर आए और उन्होंने मांग की कि उन्हें उनके घर वापस भेजने की व्यवस्था की जाए। इनमें से ज्यादातर भारत के उत्तरी हिस्सों के रहने वाले हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिले के बल्लारपुर में सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई। उन्होंने बताया, 1,000 से अधिक प्रवासी श्रमिक, जिनमें से अधिकतर सरकारी मेडिकल कॉलेज के एक निर्माण स्थल में रह रहे थे, सड़कों पर उतर

आए और मांग की कि उनके गृह राज्यों में उनकी वापसी के लिए प्रबंध किए जाएं। उन्होंने राजमार्ग को अवरूद्ध करने की कोशिश की और रेलवे स्टेशन की तरफ जाने लगे।

ज्यादातर यूपी-बिहार के प्रवासी

अधिकारी ने कहा, श्रमिक उत्तर प्रदेश और बिहार में अपने-अपने घर लौटना चाहते थे। इनमें से कुछ पश्चिम बंगाल से थे। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के चलते उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उनके आय के स्त्रोत बंद हो गए हैं। इसकी सूचना मिलने पर, रामनगर पुलिस थाने के कर्मी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लाया गया। उन्होंने कहा, पुलिस कर्मियों ने श्रमिकों को बताया कि अगर वे अपने गृह राज्य लौटना चाहते हैं तो उन्हें उचित प्रक्रिया का पालन करना होगा क्योंकि विशेष ट्रेनों की व्यवस्था की जा रही है। उन्हें स्पेशल ट्रेन में जगह पाने के लिए आवेदन फॉर्म भरने होंगे। अधिकारी ने बताया कि उन्हें भोजन मुहैया कराया गया और बाद में श्रमिक अपने स्थानीय आवास पर लौट गए। सरकार चला रही है स्पेशल ट्रेन राज्य सरकारों की मांग पर लॉकडाउन में फंसे प्रवासी मजदूरों, छात्रों और पर्यटकों के लिए सरकार ने शुक्रवार से स्पेशल ट्रेन शुरू किया है। राज्य सरकार की मांग के मुताबिक, रेलवे स्पेशल ट्रेन खोल रहा है और मजदूरों की घर वापसी कर रहा है। लॉकडाउन में सबसे पहली ट्रेन शुक्रवार की सुबह तेलंगाना से झारखंड के लिए खुली। इस ट्रेन में 24 डब्बे थे, जिनमें करीब 1200 प्रवासी मजदूर बैठे थे।

सीमेंट-कांक्रीट मिक्सर में छिपकर महाराष्ट्र से यूपी जा रहे प्रवासी मजदूरों को पुलिस ने पकड़ा

इंदौर। महाराष्ट्र के सीमेंट-कांक्रीट मिक्सर वाले चार पहिया गाड़ी में छिपकर उत्तर प्रदेश जा रहे 14 प्रवासी मजदूरों समेत 18 लोगों को मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को रोक लिया। इन्हें शेल्टर होम में भेजा गया है। ट्रैफिक पुलिस के सूबेदार (उपनिरीक्षक स्तर का पुलिस अधिकारी) अमित कुमार यादव ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि इंदौर शहर से करीब 35 किलोमीटर दूर पंथ पिपलई गांव में नियमित जांच के दौरान सीमेंट-कांक्रीट मिक्सर वाले ट्रक को रोका गया। उन्होंने बताया, संदेह होने पर जब हमने सीमेंट-कांक्रीट मिक्सर के खुले ढक्कन से झांक कर देखा, तो इसमें एक साथ 18 लोगों को पाकर हमारी आंखें खुली की खुली रह गयीं। इनमें 14 प्रवासी मजदूर और ट्रक मालिक के चार कर्मचारी शामिल

हैं। यादव ने बताया, शुरुआती पूछताछ में मजदूरों ने बताया कि वे मूलत-यूपी के रहने वाले हैं और लॉकडाउन के चलते महाराष्ट्र में कल-कारखाने बंद होने के चलते उनके सामने पिछले कई दिन से आजीविका का संकट था। इसलिए वे किसी भी तरह लखनऊ पहुंचना चाहते थे। सूबेदार ने बताया कि मजदूरों के मुताबिक वे सीमेंट-कांक्रीट मिक्सर में छिपकर शुक्रवार को महाराष्ट्र से रवाना हुए थे। गौरतलब है कि शुक्रवार को देशदुनिया में मजदूर दिवस मनाया गया था। यादव ने बताया कि मजदूरों को फिलहाल शेल्टर होम में भेजा गया है। डॉक्टरों की टीम बुलाकर उनके स्वास्थ्य की जांच कराई जा रही है। उन्हें उत्तरप्रदेश भेजने के लिये बस की व्यवस्था भी की जा रही है।

20 दिन गायब रहने के बाद किम जोंग उन सीधे वहां गए

जहां बनेगा दुनिया की तबाही का सामान

सियोल। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के स्वास्थ्य को लेकर तमाम अटकलों के बीच शनिवार को उनके स्वस्थ होने की जानकारी के साथ ही तस्वीर भी सामने आई है। किम जोंग उन शुक्रवार को एक फर्टिलाइजर प्लांट के उद्घाटन के मौके पर आयोजित समारोह में शामिल हुए। लेकिन अब जानकारी यह सामने आई है कि यह फर्टिलाइजर की फैक्ट्री जरूर है, लेकिन इसका मकसद किसानों के खिए खाद बनाना नहीं, बल्कि तबाही का सामान जुटाना है। इस फर्टिलाइजर फैक्ट्री का न्यूक्लियर कनेक्शन बताया जा रहा है।

कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने शनिवार को इस बात की सूचना देते हुए कहा कि किम ने यहां रिबन काटने की रस्म में भाग लिया। सेंचोन

फॉस्फेटिक फर्टिलाइजर फैक्ट्री का यह समारोह वर्ल्ड लेबर डे, मई दिवस के मौके पर शानदार तरीके से आयोजित किया गया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने केसीएनए के हवाले से कहा, सुप्रीम लीडर किम उर्वरक उद्योग के विकास में लगे हुए हैं। उनके पब्लिक में सामने आने के बाद वहां मजूद लोग बेहद खुश नजर आए। इस मौके पर तानाशाह के साथ उसकी बहन किम यो जोंग सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दावा किया जा रहा है कि यह फर्टिलाइजर प्लांट देश के परमाणु महत्वाकांक्षा से जुड़ा हुआ हो सकता है। पूर्वी एशिया में परमाणु कार्यक्रमों की जानकारी रखने वाले रिसर्चर मार्गरिट क्रो के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरिया का यह फर्टिलाइजर प्लांट किम जोंग उन को न्यूक्लियर प्रोग्राम में मदद कर सकता है। यह प्लांट फासफोरिक एसिड से यूरेनियम निकाल सकता है। 2011 में सत्ता संभालने के बाद से किम जोंग उन का पूरा ध्यान देश की सैन्य और परमाणु शक्ति को बढ़ाने पर रहा है। परमाणु प्रसार को लेकर अमेरिका के साथ टकराव भी रहा। बाद में परमाणु प्रसार ना करने का वादा करते हुए उन्होंने ट्रंप के साथ दोस्ती भी की। लेकिन माना जा रहा है कि इस समय जब दुनिया कोरोना वायरस संक्रमण से लड़ने में व्यस्त है। किम एक बार फिर अपने मंसूबों को अंजाम देने में जुट गए हैं।

5 मई के 193 पाकिस्तानी नागरिकों को उनके वेतन भेजेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। बाहरी राज्यों के मंत्रालय ने राज्य पुलिस प्रमुखों को बताया है कि अगले हफ्ते कोविड -

19 लॉकडाउन के कारण भारत के 10 राज्यों में फंसे 190 पाकिस्तानी नागरिकों को अटारी-वाघा क्रॉसिंग से बाहर निकलने की अनुमति दी गई है। पाकिस्तानी नागरिकों को मंगलवार 5 मई की सुबह अटारी-वाघा सीमा पर पहुंचने के लिए कहा गया है। यहां उनकी वापसी की औपचारिकता आव्रजन और सीमा चौकी पर शुरू होगी।

मामले से परिचित लोगों ने कहा कि पाकिस्तान उच्चायोग ने भारत से देश के विभिन्न हिस्सों से अपने नागरिकों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने में मदद करने का अनुरोध किया था। कोविड -19 लॉकडाउन के बीच देश से बाहर भेजे जाने वाले पाकिस्तानी नागरिकों का यह दूसरा बड़ा समूह है। अप्रैल में पाकिस्तान लौटने वाला अंतिम समूह बहुत छोटा था और इसमें दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर प्रदेश से निकले लोग शामिल थे। मंगलवार को लोगों को भेजे जाने वाली इस एक्सरसाइज में 10 राज्यों के 25 जिलों में रहने वाले 193 लोग शामिल हैं। कोरोना के चलते दुनिया का बड़ा हिस्सा लॉकडाउन में रह रहा है। भारत में भी कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक देश के 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस संक्रमण से अब तक 37336 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 1218 लोगों की मौत हुई है।

कुछ लोगों ने भारत-बंगाल में युद्ध करना चुना, लेकिन हमें परेशानी हल करना जरूरी लगता है: प्रकाश जावड़ेकर

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कोरोना को लेकर कहा कि चीन से ये संक्रमण आया लेकिन अभी इसका कोई वैक्सीन नहीं मिला, जब तक वैक्सीन नहीं मिलता तब तक हमें एक तरह से कोरोना-19 के साथ ही जीना होगा। मास्क लगाना,बार-बार हाथ धोना, 2 गज की दूरी रखना, ये न्यू नॉर्मल है। समाज ने 40 दिन में ये बहुत अच्छे से सीख लिया है। पश्चिम बंगाल सरकार पर केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि- यहां (पश्चिम बंगाल) कुछ लोगों ने भारत और बंगाल के बीच युद्ध करना चुना है। हमें युद्ध में कोई रुचि नहीं है, हमें बहस में रुचि नहीं। हमें परेशानी को हल करने में रुचि है। हम हर राज्य की मदद करना चाहते हैं।

ग्रीन जोन गोवा में 4 मई से शराब की बिक्री शुरू होगी

फिर भी आउटलेट वालों को सता रहा है डर

नई दिल्ली। चार मई से शुरू हो रहे कोरोना लॉकडाउन तीन में केन्द्र सरकार ने ग्रीन जोन में शराब की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इससे गोवा में शराब की दुकानें खुल जाएंगे लेकिन यहां के व्यापारियों को यह चिंता सता रही है कि उनके पास शराब का स्टॉक कहां से आएगा। क्योंकि विदेश से आयात पूरी तरह से बंद हैं। शराब कारोबारियों के अनुसार, अगले दो महीनों तक विदेश से आने वाली शराब पर प्रतिबंध रहने के आसार हैं। क्योंकि ज्यादातर स्कॉच और व्हिस्की ब्रिटेन से मंगाई जाती थी, जबकि फ्रांस, स्पेन और इटली से भी शराब मंगाई जाती थी, जो कोरोना महामारी की चपेट में हैं।

गोवा लिकर ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दत्तप्रसाद

नाइक ने कहा है कि शराब के आउटलेट चार मई से तभी खुल सकेंगे जब उनके पास स्टॉक होगा। उन्होंने कहा कि गोवा में बीयर का स्टॉक भी अगले आठ से 10 दिन का होगा। कोरोना वायरस के चलते गोवा ने अपनी सीमा सील कर रखी है जिसके चलते पड़ोसी राज्यों से सप्लाई नहीं हो सकती है। हालांकि, व्हिस्की के कुछ ब्रांडों को यहां बनाया जाता था, लेकिन शराब के उत्पादन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जरूरी चीजों को अन्य राज्यों से लाया जाता है, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश से मंगाया जाता है। नाइक ने बताया कि कोरोना वायरस को रोकने के लिए केन्द्र सरकार ऐलान के बाद तटीय राज्य में शराब की दुकानों को बंद कर दिया था। राज्य में पर्यटन के रुकने से शराब की बिक्री में 70 फीसदी की गिरावट आ गई थी। उन्होंने कहा कि गोवा में अधिकांश शराब उपभोक्ता पर्यटक हैं और केवल 30 फीसदी उपभोक्ता स्थानीय लोग हैं। उन्होंने कहा कि शराब व्यापार में तेजी नहीं आ सकती है, क्योंकि पर्यटन जल्द ही फिर से शुरू नहीं हो सकता है।

नगरीय निकाय और उपचुनाव जीतने वीडी का नायाब फॉर्मूला

- डेढ़ लाख कार्यकर्ताओं को दीनदयाल समिति में देंगे जिम्मेदारी
- समितियां सरकार के कामों की स्थानीय स्तर पर करेंगी निगरानी

भोपाल

प्रदेश में भले ही भाजपा की सरकार बन चुकी है, लेकिन अब भी पार्टी का कार्यकर्ता वैसा उत्साहित और खुश नजर नहीं आ रहा है, जैसा पार्टी चाहती है। यही वजह है कि इस बार अभी से संगठन अपने कार्यकर्ताओं को सत्ता में भागीदारी देने पर काम कर रही है। इसकी बड़ी वजह है प्रदेश में कुछ माह बाद होने वाले उपचुनाव और उसके बाद नगरीय व पंचायत चुनाव। पार्टी हर हाल में इन चुनावों में अपनी जीत चाहती है। उपुचनाव को लेकर पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने अभी से पूरी तरह कमर कस ली हैं। वे विधानसभा उपचुनावों की तैयारी की कमान खुद संभाल रहे हैं। उपचुनाव और नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव में पार्टी की जीत तय करने के लिए वे लगातार पदाधिकारियों और नेताओं की बैठकें कर रहे हैं। यही नहीं कार्यकर्ताओं को खुश कर उत्साह से लबरेज करने के लिए संगठन अपने करीब डेढ़ लाख कार्यकर्ताओं को दीनदयाल समितियों का गठन कर उसमें जिम्मेदारी देने की तैयारी कर रहा है। यह समितियां सरकार के कामों की स्थानीय स्तर पर निगरानी का काम करेंगी।

पिछले चुनाव से लिया सबक

संगठन और उसके थिंकटेंक का मानना है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार की बड़ी वजह कार्यकर्ताओं में अपनी ही सरकार को लेकर असंतोष भी बड़ा कारण रहा है। यही वजह है कि इससे सबक लेते हुए पार्टी ने चौथी बार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के शपथ लेने के एक माह बाद ही पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकार में भागीदारी तय करने का फैसला कर लिया है। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री चौहान ने खुद करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत से हुई चर्चा के बाद सरकार के कामकाज की निगरानी और मॉनिटरिंग के लिए दीनदयाल समितियों का गठन करने की तैयारी कर रही है। इन समितियों में शामिल पार्टी कार्यकर्ता सरकार के फैसलों और योजनाओं के क्रियान्वयन की मैदानी रिपोर्ट संगठन और सरकार को पहुंचाएंगे। जिससे की उसमें रहने वाली कमी को दूर किया जा सके।

पांच-पांच कार्यकर्ता होंगे शामिल

इन समितियों के लिए पार्टी स्तर पर तैयार किए गए मसौदे के अनुसार पंचायत एवं शहरी इलाकों में भी 5 कार्यकर्ताओं को दीनदयाल समिति में शामिल किया जाएगा। जो सरकार के कामकाज के मैदानी रिपोर्ट देने का काम करेंगे। इसमें बूथ स्तर पर सक्रिय पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जनपद और जिला पंचायत तथा शहरी क्षेत्रों में पार्टी के लिए दिन-रात मेहनत करने वाले नेताओं को शामिल किया जाएगा।

यह है गणित

सरकार प्रदेश में 23 हजार पंचायतों और करीब 400 नगरीय निकायों में दीनदयाल समितियों का गठन करने की तैयारी कर रही है। प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में करीब छह हजार वार्ड हैं और करीब 30 हजार पंचायतें हैं। हर वार्ड और पंचायत में पांच कार्यकर्ताओं को एडजस्ट करने से करीब डेढ़ लाख कार्यकर्ताओं को सत्ता में भागीदारी मिल जाएगी। इससे भाजपा सरकार के बीते कार्यकाल में कार्यकर्ताओं के बीच व्याप्त हुए असंतोष को दूर कर दिया जाएगा, जिससे वे आने वाले समय में पूरी ताकत से पार्टी कार्यक्रमों में जुट जाएंगे।

युवाओं को दी जाएगी अहमियत

पार्टी द्वारा गठित की जाने वाली इन समितियों में युवाओं को शामिल करने में अहमियत दी जाएगी। पार्टी ने मंडल अध्यक्ष और जिला अध्यक्षों के चुनाव के दौरान नवंबर दिसंबर के महीनों में ही यह मंशा जाहिर कर दी थी कि आने वाला समय में युवाओं पर फोकस रहेगा। इसलिए समितियों में 55 साल तक के ही नेताओं और कार्यकर्ताओं को ही तवज्जो मिलने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष अपनी टीम का गठन करेंगे। जो नेता इन जिम्मेदारी से बचेंगे उन्हें प्रदेश, संभाग और जिला संगठन में मौका दिया जाएगा।

कोरोना: रेड जोन में शामिल इंदौर में मृतकों की संख्या 74 पर पहुंची, कुल 1,545 संक्रमित

इंदौर (मध्य प्रदेश)। देश में कोरोना वायरस के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल इंदौर में इस महामारी से दो और मरीजों की मौत की पुष्टि की गयी है। इसके साथ ही, जिले में इस वायरस के संक्रमण के बाद दम तोड़ने वाले मरीजों की तादाद बढ़कर 74 पर पहुंच गयी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) प्रवीण जड़िया ने शनिवार को बताया कि कोविड-19 से संक्रमित पायी गयीं दो महिलाओं ने जिले के अलग-अलग अस्पतालों में पिछले छह दिन के दौरान आखिरी सांस ली। दोनों महिलाओं की उम्र 55-55 वर्ष की थी। उन्होंने बताया कि इनमें से एक महिला गंभीर एनीमिया की पुरानी बीमारी से पीड़ित थी, जबकि दूसरी महिला उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पहले ही जूझ रही थी। सीएमएचओ ने बताया कि रेड जोन में शामिल जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस के 32 और मरीज मिलने के बाद इस महामारी की जद में आये लोगों की तादाद 1,513 से बढ़कर 1,545 पर पहुंच गयी है। इनमें से 250 से ज्यादा मरीजों को इलाज के बाद संक्रमणमुक्त होने पर अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। ताजा आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि शनिवार सुबह की स्थिति में जिले में कोविड-19 के मरीजों की मृत्यु दर 4.79 प्रतिशत थी। हालांकि, पिछले 23 दिन के दौरान इसमें बड़ी गिरावट दर्ज की गयी है। इंदौर में कोरोना वायरस का पहला मरीज मिलने के बाद से प्रशासन ने 25 मार्च से शहरी सीमा में कर्फ्यू लगा रखा है, जबकि जिले के अन्य स्थानों पर सख्त लॉकडाउन लागू है।

राज्यपाल ने परीक्षाओं के लिए गठित की 6 सदस्यीय समिति

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन ने विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं के कार्यक्रम निर्धारण और अकादमिक कैलेंडर के पुनर्नियोजित करने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा है कि कोविड-19 की गाइड लाइन्स का पालन करते हुए परीक्षाओं का कार्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिए है। श्री टंडन ने इसके लिए उच्च स्तर पर चिंतन-मनन कर कार्रवाई के लिए 6 सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया है। जीवाजी विश्वविद्यालय की कुलपति श्रीमती संगीता शुक्ला को समिति का संयोजक बनाया है। समिति में 5 कुलपति और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नामांकित एक प्रतिनिधि को शामिल किया गया है। समिति को आगामी 8 मई तक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा गया है। राज्यपाल के सचिव मनोहर दुबे ने बताया कि समिति द्वारा समस्त आयुर्विज्ञान, प्रोद्यौगिकी और कृषि विश्वविद्यालयों के साथ चर्चा कर परीक्षा कार्यक्रम एवं अकादमिक कैलेंडर तैयार किया जाएगा। समिति के सदस्यों में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर.जे.राव, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीयूष अग्रवाल, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. सुनील कुमार और भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. जयंत सोनवलकर को शामिल किया गया है।

नासिक से प्रवासी मजदूरों की ट्रेन पहुंची भोपाल

स्क्रीनिंग के बाद बसों से घरों को रवाना

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नासिक में फंसे मध्य प्रदेश के मजदूरों को लेकर ट्रेन शनिवार सुबह भोपाल के मिसरोद स्टेशन पहुंची। स्टेशन पर ही मजदूरों की स्क्रीनिंग की गई और भोजन आदि का इंतजाम किए जाने के बाद मजदूरों को बसों से उनके घरों को रवाना किया गया ।मिसरोद क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस (एसडीओपी) अनिल त्रिपाठी ने बताया कि नासिक से आई ट्रेन में 347 मजदूर थे। इन मजदूरों की पहले स्टेशन पर ही स्क्रीनिंग की गई। उसके बाद उन्हें भोजन आदि दिया गया और फिर बसों से सभी को गांव की ओर रवाना किया गया । भोपाल रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी आई ए सिद्दीकी ने बताया कि इस ट्रेन से 347 मजदूर आए हैं। ये मजदूर राज्य के 25 जिलों से है, जिन्हें बसों से रवाना किया गया है। मिसरोद रेलवे स्टेशन भोपाल के मुख्य स्टेशन से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है। ट्रेन को भोपाल और हबीबगंज से स्टेशन से पहले के स्टेशन मिसरोद में रोका गया था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने शुक्रवार की रात को ट्वीट कर नासिक में फंसे मजदूरों के टेन से आने की जानकारी दी थी। चौहान ने एक अन्य ट्वीट में मजदूरों को भरोसा दिलाया था कि वे किसी तरह की चिंता न करें। उन्होंने कहा था, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, आंध्र प्रदेश, कनार्टक और गोवा में फंसे अपने श्रमिक भाइयों से कहना चाहता हूं कि आप जरा भी चिंता न करें। संकट की इस घड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मैं और पूरी मध्यप्रदेश सरकार खड़ी है। हम आपको सकुशल घर लायेंगे।

इंदौर में 20 दिन बढ़ेगा लॉकडाउन, रेड जोन में शामिल है ये शहर

इंदौर। देश में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल इंदौर में जारी लॉकडाउन को तीन मई के बाद 10 से 20 दिन तक बढ़ाया जाएगा। इस महामारी के प्रकोप के कारण देशव्यापी लॉकडाउन का दूसरा चरण तीन मई को खत्म होने वाला है। जिलाधिकारी मनीष सिंह ने शुक्रवार को एजेंसी को बताया कि कोविड-19 के मौजूदा हालात को देखते हुए हमने चिकित्सा के जानकारों, जन प्रतिनिधियों और अन्य संबद्ध पक्षों से विस्तृत चर्चा की है। इसके बाद तय किया गया है कि जिले में लागू लॉकडाउन को तीन मई के बाद 10 से 20 दिन तक बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने कड़ी मशक्कत के बाद शहर में कोविड-19 की स्थिति को नियंत्रित किया है।

संदीप शिवाजी चौहान ने अपने ही दम पर सैनिटाइजर को अपने पैसों से खरीद कर

घर-घर सैनिटाइजर किया कोरोना वायरस जैसी महामारी से अपने शहर का बचाव किया

जितेंद्र सिंह परमार रिपोर्टर

आगरा। संदीप शिवाजी चौहान ने किया हर घर जाकर सैनिटाइजर जोकि लोडिंग ऑटो चालक है, वही कोरोनावायरस को लेकर लोग काफी सहमे हुए हैं वही घर घर कई जगह बीपी ऑयल मिल बसंत टॉकीज माय थान गुरुद्वारा बेगम दौड़ी नई बस्ती फूलटी बाजार प्रेम कुवा जाकर नजर आया संदीप लोडिंग ऑटो चालक जिसने कि अपने ही पैसों से खरीदा सैनिटाइजर इस नवयुवक की हौसला अफजाई को देखते हुए लोगों को गर्व है की जहां यह कार्य नगर निगम के पार्षद चौधरी बच्चू सिंह को करना चाहिए, जो कि वार्ड 95 के सदस्य हैं वही यह अकेला व्यक्ति स्वयं घर घर जाकर सैनिटाइजर करता नजर आ रहा है यह निवासी बीपी ऑल मिल के पीछे का रहने वाला है बार-बार लोगों के शिकायत करने पर वार्ड 95 के चौधरी बच्चू सिंह ने सैनिटाइजर नहीं करवाया, वही इस अकेले संदीप ने किसी की बात ना सुनते हुए स्वयं अपने आप ह्यड्डठ्ठद्बह्लद्ब5द्गह्म खरीद कर लोगों के घरों पर छिड़काया, और लोगों को जागरूक करता कि लोग अपने घरों से ना निकले, और मास्क लगाकर रहे 7 जिससे कि इस महामारी जैसे संक्रमण बीमारी की चपेट में ना आए इसकी इस मुहिम को देखते हुए लोगों ने प्रसन्नता पूर्वक बधाई दी, और ऑटो चालक संदीप ने पुलिस प्रशासन व पुलिस के लिए यह भी कहा, की हमारे घटिया आजम खान चौकी इंचार्ज अमित शर्मा जी अपनी पूरी टीम के साथ दिन और रात जागकर हमारी सुरक्षा व सेवा में लगे हुए हैं वही हम उनको सलाम करते हैं की वह हमारी सुरक्षा में हमेशा लगे रहे हैं।

प्रदेश के बाहर फँसे श्रमिक टोल-फ्री नम्बर 0755-2411180 पर करायें पंजीयन

ग्वालियर। अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी स्टेट कंट्रोल-रूम श्री आई.सी.पी. केशरी ने बताया है कि प्रदेश के बाहर फँसे श्रमिक, जो मध्यप्रदेश अपने घर आना चाहते हैं, वे स्टेट कंट्रोल-रूम के फोन नम्बर 0755-2411180 पर पंजीयन करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पंजीयन करवा सकते हैं। यह टेलीफोन नम्बर केवल मध्यप्रदेश के बाहर फँसे श्रमिकों के पंजीयन के लिये है। श्री आई.सी.पी. केशरी ने आग्रह किया है कि मध्यप्रदेश के बाहर फँसे श्रमिक इस टेलीफोन नम्बर अथवा पोर्टल में शीघ्र पंजीयन करायें। उन्होंने बताया कि श्रमिकों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर ही उनकी वापसी का प्रोग्राम तैयार किया जायेगा।

एक शस्त्र लायसेंस निलंबित

भिण्ड। जिला दण्डाधिकारी श्री छोटेसिंह ने पुलिस अधीक्षक भिण्ड श्री नगेन्द्र सिंह के प्रतिवेदन पर से आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17 (3) बी में निहित प्रावधानों का प्रयोग करते हुए अनावेदक आर्म्स लायसेंसी मोहन सिंह पुत्र सूरजपाल सिंह निवासी मटघाना थाना फूप जिला भिण्ड के नाम शस्त्र लायसेंस अन्य आदेश होने तक तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

17 मई तक बंद रहेंगे सभी सिनेमाघर

ग्वालियर। राज्य शासन ने प्रदेश में संचालित सभी सिनेमाघरों को अब 17 मई तक बंद रखने का आदेश जारी किया है। इसके पहले जारी आदेश में तीन मई तक सिनेमाघरों को बंद करने का निर्णय लिया था।

घर-घर मिड डे मील पहुंचाने में मध्यप्रदेश बना देश का पहला राज्य

भोपाल। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि भारत सरकार की समीक्षा बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश डोर-टू-डोर मध्यान्ह भोजन राशन पहुँचाने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य शासन द्वारा कोरोना संक्रमण में स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने के लिये प्राथमिक और माध्यमिक स्कूल के कुल 66 लाख 27 हजार विद्यार्थियों के अभिभावकों के बैंक खाते में 117 करोड़ रूपये की राशि ऑनलाइन ट्रान्सफर की गई है। साथ ही, 56 लाख 87 हजार बच्चों को डोर-टू-डोर मध्यान्ह भोजन का राशन भी पहुँचाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण में गत 23 मार्च को लॉक डाउन होने पर 29 मार्च को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा एन.आई.सी. के माध्यम से बच्चों के अभिभावकों के खाते में खाद्य सुरक्षा भत्ते की राशि अंतरित की गई। यह राशि सभी बच्चों के अभिभावकों को प्राप्त हो गई है। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह में विद्यालय बंद हो जाने पर विद्यार्थियों को भोजन का राशन उनके घर पर ही भिजवाने में आंगनवाड़ी कार्यकताओं, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय शिक्षिकों का सहयोग प्राप्त किया गया। भारत सरकार ने मध्यप्रदेश में मध्यान्ह भोजन योजना के क्रियान्वयन में नवाचार के सफल प्रयासों की सराहना की है।

कोरोना के बचाव के लिए नन्हे गर्वित की जनता से अपील

इंदौर(अर्पित गुप्ता)। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते मध्यप्रदेश के इंदौर शहर के महू में रहने वाले चार माह के नन्हे गर्वित अग्रवाल ने हाथ जोड़कर जनता से लॉकडाउन के दौरान नियमो का पालन कर घरो में रहने व कोरोना से बचाव के लिए मास्क व सेनेटाइजर का उपयोग करने की अपील की है। यहां बताना मुनासिब होगा कि चार माह के गर्वित की यह फोटो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। साथ ही आप सभी को ज्यादा जानकारी के लिए बता दें कि गर्वित अग्रवाल शॉर्ट फिल्म डायरेक्टर व सोशल वर्कर मेघा अवनीश अग्रवाल के बेटे हैं।

जो हम बच्चों को बचपन से सिखाते हैं,
जाने क्यूँ बड़े होते होते खुद ही भूल जाते हैं।
आइए आज हम सभी इस बच्चे से लेते हैं ये सीख,
फिर कभी ना भूलेंगे नमस्ते करने वाली ये भारतीय रीत।।

डिजिटल क्रांति — संकट में मिशन के लिए वरदान साबित हो रहा डिजिटल फोरम

आरएसएस मोबाइल एप पर स्वयं सेवकों को पढ़ा रहा सेवा का पाठ

- कमजोर, असहाय और आखिरी व्यक्ति की सेवा मुख्य लक्ष्य

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

लॉकडाउन में दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भी हाईटेक राह अपना ली है। आरएसएस ने मोबाइल एप पर स्वयं सेवकों को सेवा का मंत्र देना शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश में स्काइप और विभिन्न एप के जरिये शाखा भी लगने लगी हैं। इसका मकसद संकट की घड़ी में कमजोर, असहाय और आखिरी व्यक्ति की सेवा करनी है। यूं तो आरएसएस की आइटी की शाखा पहले से ... बड़े पैमाने पर डिजिटल क्रांति हुई है। मध्य प्रदेश में स्काइप पर शाखा लगी। गौरतलब है कि केंद्र, क्षेत्र, प्रांत, विभाग, जिला, तालुका, तहसील, नगर, खंड, मंडल, ग्राम से लेकर अलग-अलग शाखाओं तक संघ का विस्तार हुआ है। संघ की ओर से सुबह-शाम और रात्रि को भी शाखाएं लगती रही हैं, लेकिन इस संकट के दौर में साप्ताहिक शाखा शुरू हो गई है। सप्ताह में एक या दो बार लगने वाली इस शाखा को मिलन कहते हैं। कई स्वयंसेवकों ने डिजिटल फोरम पर स्काइप के जरिये यह शाखा शुरू की है और कई लोगों ने मिलन एप भी इजाद किया है। वनवासी क्षेत्रों में सेवा भारती द्वारा शिक्षा और संस्कार के साथ सामाजिक जागरुकता और रोजगार के क्षेत्र में काम होता रहा है।

फोरम बना वरदान

अब यहां पर तात्कालिक जरूरतों और चुनौतियों को दूर करने में संघ के स्वयं सेवक जुटे हैं। मऊगंज जिला के स्वयं सेवक इंजीनियर कुलदीप मिश्रा ने बताया कि डिजिटल फोरम के जरिये अच्छा प्रयास चल रहा है। स्काइप और विभिन्न एप से कांफ्रेंस कर सेवा भाव के अपने मुख्य लक्ष्य को पूरा करने में कामयाब हो रहे हैं। आज घरों में रहना जरूरी है इसलिए दूसरा कोई उपाय भी नहीं है। यह फोरम हमारे मिशन के लिए वरदान साबित हुआ है।

मुख्य उद्देश्य मदद

मिश्रा ने कहा कि हमारा कार्य प्रचार पाना नहीं, बल्कि सेवा करना है। ऑनलाइन शाखा के जरिये स्वयं सेवकों से लोगों की मदद की अपील की जा रही है। स्वयं सेवकों को प्रेरित कर उन लोगों तक भोजन, पानी और रोजमर्रा की जरूरी चीजों को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जहां अन्य लोगों की नजर नहीं है। स्वयंसेवक सरकारी स्तर पर राहत कार्य के प्रयासों पर भी नजर रख रहे हैं।

राज्य के 36 जिलों में से पिछली बार की तुलना में रेड जोन की संख्या 11 से बढ़कर 14 तक पहुंच गई है

महाराष्ट्र में रेड जोन जिले बढ़े, ग्रीन जोन जिले हुए कम, कुछ जिले रेड से ऑरेंज लिस्ट में आए

मुंबई ■ एजेंसी

3 मई को लॉकडाउन फेज-2 खत्म हो रहा है। जिसे देखते हुए सरकार ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। हर जिले में मौजूद कोरोना संक्रमितों की लिस्ट के आधार पर उसे रेड, ग्रीन और ऑरेंज जोन में रखा गया है। महाराष्ट्र के 36 जिलों में से पिछली बार की तुलना में रेड जोन की संख्या 11 से बढ़कर 14 तक पहुंच गई है। वहीं ग्रीन जोन की संख्या 9 से कम होकर 6 तक पहुंची है। इसके अलावा कुछ ऐसे भी जिले हैं, जो पहले रेड जोन में थे और वहां मरीजों की संख्या में हुई कमी के बाद इन्हें ऑरेंज जोन में डाल दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना मामलों की संख्या, डबलिंग रेट और परीक्षणों के हिसाब से जिलों की नई सूची तैयार की है। जिसमें बताया गया है कि कौन सा जिला किस जोन में आता है और वहां किस तरह की सख्ती बरती जाएगी। केंद्रीय गृह सचिव प्रीति सूडान ने कहा, 'सभी राज्यों से अनुरोध किया जाता है कि वे चिन्हित किए गए रेड और ऑरेंज जोन जिलों में कंटेनमेंट जोन और बफर जोन का परिसीमन करें और उन्हें सूचित करें। किसी जिले को तब ग्रीन जोन माना जाएगा जब वहां पिछले 21 दिनों में कोरोना का कोई भी नया मामला सामने नहीं आएगा।' सूडान ने कहा, 'एक या अधिक नगर निगमों वाले, निगमों और जिले के अन्य क्षेत्रों को अलग-अलग इकाइयों के रूप में माना जा सकता है। यदि वे रेड या ऑरेंज जोन में आते हैं, यहां इनमें से एक या अधिक में पिछले 21 दिनों में कोई नया मामला दर्ज नहीं होता तो उन्हें आंचलिक वर्गीकरण में एक स्तर कम माना जा सकता है।

जोन की स्थिति

रेड जोन: मुंबई, मुंबई उपनगर, ठाणे, पालघर, नासिक, पुणे, सोलापुर, जलगांव, यवतमाल, सातारा, धुले, अकोला, औरंगाबाद और नागपुर शामिल हैं।

ऑरेंज जोन: रत्नागिरी, रायगढ़, परभणी, सांगली, बीड, अहमदनगर, नंदुरबार, कोल्हापुर, नांदेड़, जालना, हिंगोली, लातूर, अमरावती, यवतमाल, बुलढाणा, चंद्रपुर और भंडारा।

ग्रीन जोन: उस्मानाबाद, वासिम, सिंधुदुर्ग, गोंदिया, गढ़चिरौली और वर्धा शामिल हैं।

ठाकरे ने कहा- 3 मई के बाद ऑरेंज और ग्रीन जोन में छूट मिलेगी

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर जनता से फेसबुक के जरिए बातचीत की। उन्होंने कहा कि राज्य में 3 मई के बाद से कई जिलों में शर्तों के साथ लॉकडाउन के नियम में ढील दी जाएगी। उनका इशारा राज्य के ऑरेंज और ग्रीन जोन में आने वाले जिलों की ओर था। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन सिर्फ एक स्पीड ब्रेकर है और जल्द स्थितियां सामान्य हो जाएंगी। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तीन मई के बाद हम राज्य में शर्तों के सात कई जगह ढील देने जा रहे हैं। लेकिन ऑरेंज और ग्रीन जोन के लोग भी सतर्क रहें और सहयोग करें, अन्यथा पिछले कुछ दिनों में हमने जो कुछ भी हासिल किया है, वह हम खो देंगे। इसलिए, हम धैर्य और सावधानी के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं चाहता हूं कि लोग कोरोना से घबराएं नहीं। यह केवल समय पर उपचार शुरू करने के बारे में है। कुछ दिनों के बीच छोटे बच्चों से लेकर 83 साल के लोग इससे ठीक होकर घर गए हैं। वेंटिलेटर पर रहने वाले लोग भी ठीक हो गए हैं।' लॉकडाउन समेत सरकार की तमाम बंदिशों के बाद भी राज्य में कोरोनावायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या 10 हजार के पार हो गई है। गुरुवार को राज्य में कोरोना के 583 नए मरीजों के साथ ही कुल पीड़ितों की संख्या 10,493 तक पहुंच गई है।

लॉकडाउन में दिल्ली से बिहार जा रहे मजदूर की मौत

साइकिल से 1300 किमी के सफर पर 6 साथियों के साथ निकला था

शाहजहांपुर। आज मजदूर दिवस है। लेकिन उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले से एक ऐसी खबर आई, जो झकझोर देने वाली है। लॉकडाउन से रोजी रोटी छिन जाने के बाद भी 34 दिन जैसे तैसे गुजार लिए, लेकिन जब लगा कि ये संकट काल एक अंधेरी सुरंग सरीखा है तो दिल्ली से बिहार तक 1300 किमी लंबे सफर पर सात मजदूर टोली बनाकर निकल पड़े। यह सफर अभी तो एक तिहाई ही पूरा हो पाया था कि शाहजहांपुर जिले में एक की मौत हो गई। उसके साथियों का कहना है कि मृतक अभी तो 28 साल का था। उसे कोई बीमारी भी नहीं थी। फिलहाल, प्रशासन ने मृतक का सैंपल जांच के लिए भेज दिया है।

खगड़िया का रहने वाला था मृतक मजदूर

मृतक का नाम धर्मवीर (28) है। वह बिहार के खगड़िया जिले के खरैता गांव का रहने वाला था। अपने जिले के रहने वाले अन्य मजदूरों के साथ ही दिल्ली में रहकर दिहाड़ी मजदूरी करता था। कभी रिक्शा चलाता था तो कभी राजगीर का काम कर लेता था। लेकिन लॉकडाउन के बाद इनका रोजगार छिन गया। कुछ पैसे जोड़े थे तो उससे राशन खरीद लिया। यह राशन करीब 10 दिन चला। इसके बाद आसपड़ोस से मांगकर पेट भरा गया। मृतक के साथी मजदूर रामनिवास उर्फ छोटू ने बताया कि दिल्ली सरकार से भी कोई मदद नहीं मिली। कई दिनों तक बिस्कुट खाकर पेट भरा। लेकिन जब लगा कि ये दिन कैसे गुजरेंगे? इससे बेहतर है कि अपनों के बीच चला जाए। यहां रहे तो बीमारी से मरे या न मरे भूख से जरूर मर जाएंगे। मजबूरन 27 अप्रैल को धर्मवीर के साथ हम छह लोग साइकिल से अपने घर के लिए निकल पड़े।

कोई बीमारी नहीं थी

हालांकि, धर्मवीर की मौत का कारण क्या है? यह बात किसी को समझ नहीं आ रही है। उसके साथियों ने बताया कि उसे कोई बीमारी नहीं थी। दिल्ली से आए मजदूर की मौत की सूचना पर प्रशासन के अधिकारी मेडिकल कॉलेज पहुंचे। मृतक के बारे में साथियों से जानकारी ली। उसका शव पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल अभय कुमार ने बताया कि शव से सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिया गया है। साथी मजदूरों को क्वारैंटाइन किया गया है। भूखे प्यासे चार दिन साइकिल चलाकर गुरुवार की रात शाहजहांपुर पहुंचे। यहां बरेली मोड़ स्थित एक होटल के बाहर ठहर गए। रास्ते में किसी तरह की कोई मदद नहीं मिली। शाहजहांपुर आने के बाद एक मंदिर से कुछ खाना मिल गया। शुक्रवार सुबह उनके साथी मजदूर धर्मवीर की हालत बिगड़ गई। उसे मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां उसने दम तोड़ दिया।

लॉकडाउन के बीच गैर राज्यों से आए तीन श्रमिकों समेत चार कोरोना पॉजिटिव

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में शुक्रवार को कोरोना के महाराष्ट्र व इंदौर से आए चार नए संक्रमित मिले हैं। इनमें तीन गंगापार के और एक शहर का रहने वाला है। एक साथ 4 नए मरीजों के मिलने से पूरे जनपद में हड़कंप मच गया है। सभी चारों मरीजों को कोविड 19 लेवल वन हॉस्पिटल कोटवा बनी भेजा गया है। अब यहां पर संक्रमितों की संख्या 9 हो गई है। यहां एक जमाती कोरोनावायरस से ठीक हो चुका है। प्रयागराज में बीते 1 हफ्ते के दौरान हुई टेस्टिंग में 9 मरीज सामने आने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। सबसे पहले 24 अप्रैल को मुंबई से लौटे दो युवकों के करोना पॉजिटिव होने के बाद उसी दिन शहर के शंकरघाट शिवकुटी का एक युवक भी संक्रमित पाया गया था। इन तीनों को कोटवा बनी हॉस्पिटल में आइसोलेट किया गया था। इनके बारे में कुछ अच्छी रिपोर्ट आती कि उससे पहले ही 30 अप्रैल की शाम को महाराष्ट्र के नासिक से लौटे कौंधियारा के एक पुरोहित की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आ गई। जिसे 27 अप्रैल से नैनी कोतवाली क्षेत्र के एक क्वारैंटाइन सेंटर में रखा गया था। शुक्रवार को 110 सैंपलिंग की जांच रिपोर्ट आई। जिसमें से 106 निगेटिव पाए गए, जबकि 4 की रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई। जिनमें से तीन मरीज लॉकडाउन के दौरान अन्य राज्यों से लौटे हैं। तबीयत बिगड़ने पर उनकी कोरोना की जांच की गई और सभी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। ये तीनो मरीज प्रयागराज के हंडिया, बरौत और सैदाबाद इलाके के रहने वाले हैं। जबकि एक शहर का निवासी है।

छत्तीसगढ़ में रायपुर रेड और कोरबा ऑरेंज जोन में

रायपुर। लॉकडाउन फेज-3 लागू हो गया है। अब देश में इसे 17 मई तक बढ़ा दिया गया है। फेज-2 की समय सीमा 3 मई को समाप्त हो रही थी। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि रेड जोन में थोड़ी राहत दी जाएगी। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना प्रभावित राज्यों और जिलों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में छत्तीसगढ़ का रायपुर रेड और कोरबा को ऑरेंज जोन में रखा गया है। जबकि एक दिन पहले 3 पॉजिटिव केस आने के बाद भी सूरजपुर जिला ग्रीन जोन में है। दरअसल, केंद्र सरकार की लिस्ट में देश के 170 जिलों को रेड जोन में रखा गया है। जहां कोरोना मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा मिली और 14 दिन के दौरान केस आए, वे रेड जोन, जहां 14 दिन में एक भी केस नहीं हैं, वे ऑरेंज हैं। ग्रीन जोन में उन जिलों को रखा गया है, जहां कोरोना पॉजिटिव एक भी व्यक्ति नहीं मिला या फिर वहां 28 दिनों के बाद भी संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया। रायपुर में 24 अप्रैल को मिला मेडिकल स्टाफ एम्स में उपचार करा रहा है। सूरजपुर में 28 अप्रैल को एक मजदूर संक्रमित मिला। उससे संपर्क में आए दो अन्य की रिपोर्ट 30 अप्रैल को पॉजिटिव आई है। एक के सैंपल की दोबारा जांच की जा रही है।

इस बीच कोरिया के क्वारैंटाइन सेंटर में भी गुरुवार देर रात दो मजदूरों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हालांकि दोनों झारखंड भाग चुके हैं। केंद्र सरकार की गाइड लाइन के अनुसार, रेड जोन में होने पर सख्ती से लॉकडाउन का पालन करना होता है। यहां रह रहे लोगा किसी भी काम से बाहर नहीं निकल सकते। इन क्षेत्रों में सरकार डोर-टू-डोर सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, जिससे लोग घरों के अंदर ही रहें और संक्रमण से बचा जा सके। एहतियात के तौर पर जरूरी सेवाओं में छूट दी जाती है। हालांकि रायपुर में ग्रीन जोन की तरह ही करीब छूट दी जा चुकी है। प्रदेश के कारोना हॉट स्पॉट में शामिल कोरबा के कटघोरा से पिछले 14 दिनों से कोई नया पॉजिटिव सामने नहीं आया है। वहीं जो लोग भर्ती थे, वे भी दो दिन पहले ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हालांकि नियमानुसार, लोग खेती, छोटे व मध्यम उद्योग के तहत आने वाले सामान जैसे गेहूं का आटा, खाद्य तेल आदि के परिवहन परमिशन लेने के बाद कर सकते हैं। कुछ और चीजों में छूट दी जा सकती है। सूरजपुर और कोरिया में नया केस सामने आने के बाद भी लिस्ट में प्रदेश के 24 अन्य जिलों के साथ उन्हें ग्रीन जोन में रखा गया है।

महाराष्ट्र के एक गुरुद्वारे से 20 लोग मिले कोरोना पॉजिटिव, राज्य में अब तक 11 हजार से ज्यादा केस

औरंगाबाद। महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित गुरुद्वारा लंगर साहिब में रहने वाले 20 लोग कोरोना वायरस से

संक्रमित पाए गए हैं। सिविल सर्जन डॉ. नीलकंठ भोसिकर ने बताया कि गुरुद्वारे में रहने वाले कुल 97 लोगों के नमूने जांच के वास्ते लिए गए थे। इनमें से 20 लोग इस महामारी से संक्रमित पाए गए हैं। वहीं, अब तक महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 11 हजार से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

उन्होंने कहा, संक्रमित लोगों को एनआरआई भवन कोविड देखभाल केन्द्र में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि नमूने 30 अप्रैल और एक मई को लिए गए थे। भोसिकर ने एक बयान में कहा कि 25 अन्य की रिपोर्ट नेगेटिव आई है जबकि 41 अन्य लोगों की रिपोर्ट का इंतजार है। इसके अलावा 11 अन्य की रिपोर्ट के बारे में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि इन मामलों को मिलाकर नांदेड़ में कोविड-19 के मरीजों की संख्या 26 तक पहुंच गई है। अधिकारी ने कहा, इनमें से दो लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई।

महाराष्ट्र में अब तक कितने कोरोना पॉजिटिव?

महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के 1,008 नए मामले सामने आए। इसके साथ, महाराष्ट्र में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 11,506 तक पहुंच गए। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार इन मामलों में 1,879 ठीक हो गए हैं और 485 की मौत हो गई है। मुंबई में कोविड-19 मामलों की संख्या सबसे अधिक है।

सेना के कोरोना वॉरियर्स के सम्मान पर बोले अमित शाह- बढ़ेगा आत्मविश्वास

नई दिल्ली। कोविड 19 के खिलाफ जंग में अहम भूमिका निभा रहे कोरोना योद्धाओं पर सेना के रविवार को पुष्प वर्षा किए जाने के ऐलान पर अमित शाह ने कहा है कि इससे मनोबल और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। इसके अलावा गृह मंत्री अमित शाह ने कोरोना वॉरियर्स को धन्यवाद भी कहा। अमित शाह ने ट्वीट किया, मुझे यकीन है कि सशस्त्र बलों के इस निर्णय से हमारे डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों, सफाई कर्मचारियों, सुरक्षा और मीडिया कर्मियों का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ेगा। हम एक राष्ट्र के रूप में इस समय अपने कोरोना योद्धाओं को धन्यवाद देने के लिए एकजुट हैं। गौरतलब है कि कोरोना वायरस के संकट के बीच चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत ने ऐलान किया है कि रविवार को तीनों सेना कोरोना योद्धाओं का सम्मान करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके ऐलान की सराहना की है। तीनों सेना प्रमुखों के साथ एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जनरल रावत बताया था कि कोरोना योद्धाओं के सम्मान में वायुसेना का एक फ्लाई पास्ट श्रीनगर से त्रिवेंद्रम जाएगा, जबकि दूसरा डिब्रूगढ़ से कच्छ के बीच उड़ान भरेगा। इस फ्लाई पास्ट में ट्रांसपोर्ट और फाइटर एयरक्राफ्ट शामिल होंगे।जनरल रावत ने यह भी कहा कि हम सभी कोरोना योद्धा का शुक्रिया अदा करते हैं।

हड़कंप: पालघर लिंचिंग केस में गिरफ्तार एक आरोपी कोरोना संक्रमित

20 पुलिसकर्मी समेत 43 अन्य की होगी जांच

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर में साधुओं की पीट-पीट कर हत्या करने के मामले में गिरफ्तार किए गए 115 आरोपियों में से एक आरोपी कोरोना वायरस की जांच में पॉजिटिव पाया गया है। पालघर ग्रामीण अस्पताल के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. दिनकर गावित ने इसकी पुष्टि की है। पालघर लिंचिंग केस में 55 साल का आरोपी, जो कोरोना पॉजिटिव पाया गया है, वह वाड़ा पुलिस थाने में कस्टडी में था। इस आरोपी के संपर्क में अब तक 43 लोग आए हैं, जिन्हें क्वारंटाइन किया जा रहा है और उनकी जांच हो रही है। इनमें 23 पुलिस के जवान हैं और 20 अन्य आरोपी हैं। दरअसल, आरोपी दहानु में दिव्य-वाकीपाड़ा का रहने वाला है, जिसे 17 अप्रैल को कासा पुलिस ने गिरफ्तार किया था और तब से वह साधुओं की हत्या के मामले में 20 अन्य आरोपियों के साथ वाडा पुलिस लॉकअप में बंद था।

इस कोरोना संक्रमित आरोपी को दहानु कोर्ट में पेश किया गया था और अन्य 114 आरोपियों के साथ 14 मई तक पुलिस कस्टडी की मांग की गई थी। अन्य सभी आरोपियों को वाडा, दहानू, कासा, विक्रमगढ़, तलासरी और अन्य पुलिस थानों में लॉकअप में रखा गया है ताकि कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण भीड़भाड़ से बचा जा सके।

पहले जांच में निगेटिव, फिर पॉजिटिव–डॉ. गावित ने कहा कहा कि 28 अप्रैल की सुबह आरोपी के गले का स्वाब टेस्ट लिया गया, जिसमें वह नेगेटिव पाया गया। मगर शनिवार सुबह एक और टेस्ट किया गया और इसमें वह कोरोना पॉजिटिव निकला। उसे आरएच में भर्ती कराया गया था, मगर उच्च अधिकारियों से अनुमति लेने के बाद आरोपी मरीज को मुंबई के जेजे अस्पताल के जेल वार्ड में स्थानांतरित किया जा रहा है।

आरोपी में वायरस के कोई लक्षण नहीं–हालांकि, उन्होंने कहा कि आरोपी में कोरोना वायरस के अब तक कोई लक्षण नहीं दिखे हैं, मगर हम किसी तरह का कोई चांस नहीं ले सके। इस बीच आरोपी के लिए एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात 23 पुलिस के जवानों और 20 अन्य आरोपियों समेत 43 लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा रहा है और नमूने लिए गए हैं। बता दें कि पालघर जिले में अब तक 170 कोरोना के मामले सामने आए हैं और 10 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं इस कोविड-19 से 59 लोग उबर भी चुके हैं। गौरतलब है कि 16 अप्रैल को मुंबई से सूरत जाने वाले दो साधुओं की कार को 200 से अधिक लोगों की भीड़ द्वारा रोका गया था। चोर होने के संदेह पर इस भीड़ ने कार पर हमला कर दिया और पत्थर एवं डंडों से हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों संतों की मृत्यु हो गई।

बोले ऑस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच जस्टिन लेंगर- भारत को भारत में हराना हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य

मेलबर्न। आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पहले पायदान से हटा दिया है। 1 मई को जारी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया दुनिया की नंबर-1 टेस्ट टीम बन गई, लेकिन टीम के हेड कोच जस्टिन लेंगर का मानना है कि उनकी टीम सभी महान कहलाएगी जब वो भारत को भारत में हराने सफल होगी। आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में हुए बदलाव के बाद टीम इंडिया तीसरे पायदान पर खिसक गई है। अक्टूबर 2016 के बाद यह पहला मौका है जब भारतीय टीम टेस्ट रैंकिंग में पहले पायदान से फिसली है। उन्होंने कहा, कोच के तौर पर मैंने अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि हम अगर भारत को भारत में हराते हैं तो हम महान टीम बनेंगे। यह हमारे लिए बड़ा लक्ष्य है। हमें पता है कि यह मुश्किल है और अगर हमें नंबर-1 टीम कहलाना है तो हमें भारत को भारत में हराना होगा।

सुविधा

लॉकडाउन: बिहार, यूपी और झारखंड जाने वाले प्रवासी मजदूर-छात्र ध्यान दें

श्रमिक स्पेशल ट्रेन से जाना है तो जानें सब सुविधाएं

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की वजह से पूरे देश में लॉकडाउन जारी है। लॉकडाउन के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रवासी मजदूर, छात्र और पर्यटक फंसे हुए हैं। लॉकडाउन में सबेस बुरी हालत प्रवासी मजदूरों की है, जिनके पास रहने और खाने का कोई ठिकाना नहीं है। कोरोना संकट के इस घड़ी में प्रवासी मजदूरों और छात्रों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाकर केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ी राहत दी है। राज्यों के अनुरोध के बाद केंद्र सरकार ने शुक्रवार से अलग-अलग राज्यों के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने की अनुमति दे दी है। इस तरह से अब यूपी, बिहार, झारखंड समेत कई राज्यों के प्रवासी मजदूर ट्रेन के माध्यम से अपने घरों को जा सकेंगे, मगर इसके लिए उन्हें कुछ जरूरी जानकारी रखना जरूरी है।

तेलंगाना से झारखंड के लिए खुली पहली ट्रेन–केंद्र सरकार के हामी भरने के बाद लॉकडाउन में पहली ट्रेन तेलंगाना से झारखंड के लिए खुली। इस ट्रेन में करीब 1200 प्रवासी मजदूर सवार थे, जो हटिया गए। इतना ही नहीं, शुक्रवार को अलग-अलग रूट पर कुल छह स?पेशल ट्रेनें चलाई गईं। इसलिए अब अन्य राज्यों के मजदूरों की भी उम्मीदें जग गई होंगी कि उन्हें भी सरकार ट्रेन से उनकी घर वापसी कराएगी। यहां ध्यान देने वाली बात ये है कि

प्रवासी मजदूरों के घर वापसी में दोनों राज्यों की सहमति जरूरी है। यानी जिस राज्य में प्रवासी रह रहा है और जहां उसका घर है।

लिस्ट में नाम होगा तभी कर पाएंगे यात्रा–इस ट्रेन में वैसे ही यात्री सफर कर पाएंगे, जिनका रजिस्ट्रेशन हुआ है। यानी प्रवासियों के लिए चलने वाली स्पेशल ट्रेन में सफर करने वाले लोगों की एक लिस्ट तैयार की जाएगी और इसी के अनुसार इसमें लोग सफर करेंगे। प्रवासी मजदूरों और स?टूडेंट्स आदि को अपने गृह राज?य में इसके लिए आवेदन करना होगा। राज्य सरकार संबंधित राज्य में नोडल अधिकारी नियुक्त करेगी और नोडल ऑफिसर जो सूची तैयार करेंगे, वही रेलवे को सौंपी जाएगी। रेलवे फिर उन सभी यात्रियों को सूचना देगा ताकि समय पर स्टेशन पर लोग पहुंच सके। जिनका लिस्ट में नाम होगा, उन्हें ही सफर करने दिया जाएगा।

जांच के बाद ही घर वापसी–ट्रेन में सफर करने से पहले प्रवासियों की स्क्रीनिंग की जाएगी, जिसका इंतजाम स्टेशन पर ही होगा। जब यात्री कोरोना की स्क्रीनिंग में सही पाया जाएगा तो उसे ट्रेन में बैठने दिया जाएगा। अगर जांच के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी पाई जाती है तो फिर यात्री को उसी वक्त अस्पताल भेज दिया जाएगा। यानी उसकी घर वापसी फिर क्वारंटाइन अवधि पूरा किए बैगर नहीं होगी।

यात्री को भोजन या टिकट खरीदने की जरूरत नहीं यहां ध्यान देने वाली बात है कि स्पेशल ट्रेन में सफर करने वाले प्रवासी यात्रियों को टिकट लेने की जरूरत नहीं है। कोविड-19 महामारी के कारण लागू देशव्यापी लॉकडाउन के कारण देशभर में जहां-तहां फंसे प्रवासी मजदूरों को ट्रेन से उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने का किराया रेलवे राज्य सरकारों से वसूलेगा। जिस ट्रेन से प्रवासी मजदूरों को भेजा जाएगा उसे श्रमिक स्पेशल नाम दिया गया है। इसमें सफर करने के किराए में स्लीपर क्लास के टिकट मूल्य, 30 रुपये का सुपरफास्ट शुल्क और 20 रुपये भोजन-पानी के शामिल होंगे। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों को अपने पास से कुछ भी खरीदने की जरूरत नहीं, उनके खर्च का वहन राज्य सरकारें करेंगी। महीनेभर तक सेवाएं निलंबित रहने के बाद रेलवे ने पहली यात्री ट्रेन इन मजदूरों के लिए शुक्रवार को हैदराबाद से झारखंड के लिए सुबह साढ़े चार बजे रवाना की जिसमें कुल 12,00 लोग सवार थे। यानी प्रवासियों की के लिए खाना-पानी का स्टेशन पर ही होगा।

संपादकीय

घर वापसी की शुरुआत

पराये प्रदेश में फंसे लोगों को उनके अपने प्रदेश पहुंचाने के लिए शुक्रवार को श्रमिक दिवस पर जो पहली श्रमिक स्पेशल ट्रेन चली, उसका न केवल स्वागत, बल्कि अनुकरण करना चाहिए। करीब 40 दिन के लॉकडाउन के उपरांत देश को फिर जोड़ने वाली जो ट्रेन तेलंगाना के लिंगमपल्ली से झारखंड के हटिया के लिए रवाना हुई है, वह देश के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है। अब केरल से ओडिशा और महाराष्ट्र से बिहार, उत्तर प्रदेश के लिए ट्रेनों का जरूरी सिलसिला चल पड़ेगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सहित कम से कम चार राज्यों के मुख्यमंत्री विशेष रेल की मांग करते आ रहे थे। केंद्र सरकार और रेलवे अब बहुत नियोजित तरीके से विशेष रेल चलाने की नीति पर चल पड़ा है, इससे देश में राहत का एहसास बढ़ना चाहिए। ऐसी रेल एक जगह से चलेगी और केवल अपनी मंजिल पर जाकर रुकेगी। बीच में कहीं रुकने का प्रावधान नहीं है। एक बॉगी में 54 ही यात्री 1.5 मीटर की परस्पर दूरी बनाकर यात्रा कर सकेंगे। उम्मीद है, बीच में न रुकने वाली ट्रेनों में पर्याप्त भोजन-पानी की व्यवस्था होगी। इसके अलावा लौट रहे लोगों की चिकित्सा जांच और कुछ दिन क्वारंटीन में रखने की व्यवस्था भी चाक-चौबंद होनी चाहिए। एक साथ 1,200 या 1,600 लोगों को अपने यहां लाने का खतरा उठा रहे राज्यों को अपनी ओर से भी पूरे इंतजाम रखने चाहिए। विशेष रूप से बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे जनबहुल राज्यों में करीब 45 लाख लोगों के लौटने का अनुमान है, अत~ इतनी बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित रखना और उनकी यथोचित जांच करना एक बड़ा काम होगा। उन्हीं राज्य सरकारों को यह जोखिम मोल लेना चाहिए, जिनके पास पूरे संसाधन और इंतजाम हैं। केंद्र सरकार ने अगर इस घर वापसी योजना को मंजूरी दी है, तो उसकी भी जिम्मेदारी बनती है कि वह जरूरतमंद राज्यों की मदद करे और किसी भी संदिग्ध को यात्रा से रोका जाए। जो राज्य सक्षम नहीं हैं, उन्हें खुद को खतरे में नहीं डालना चाहिए और जो राज्य सक्षम हैं, उन्हें अपने यहां से श्रमिकों को जाने नहीं देना चाहिए। फंसे हुए पर्यटक, तीर्थयात्री, मजदूर, छात्र इत्यादि जब लौटने लगे हैं, तब सरकारों और विशेष रूप से रेलवे को अपनी नीतियां स्पष्ट रखनी चाहिए कि कहां से कहां के लिए किन परिस्थितियों में ट्रेन चलाना है। यह संदेश लोगों के बीच नहीं जाना चाहिए कि तेलंगाना से झारखंड के लिए यह ट्रेन तभी चलाई गई, जब वहां मजदूर विरोध प्रदर्शन पर उतर आए। पराये प्रदेशों से आई मजदूरों की आबादी रखने वाली सरकारों के लिए यह बहुत सावधानी और समझदारी का समय है, क्योंकि कुछ मजदूरों के लौटने से बाकी मजदूरों में भी बेचैनी बढ़ेगी। अत~ घर लौटाने की नीति बहुत पारदर्शी और न्यायपूर्ण होनी चाहिए। फंसे हुए लोगों के बीच विशेष रेल को लेकर किसी प्रकार का असंतोष नहीं होना चाहिए। वापसी का यह अभियान बहुत बड़ा है, ऐसे लोगों की पूरी जानकारी रखना, उनकी पूरी जांच करना और उन्हें अपने-अपने घर तक फिजिकल डिस्टेंसिंग रखते हुए सुरक्षित पहुंचाना। यह केवल राज्य सरकारों, अधिकारियों और चिकित्सा समाज के लिए ही परीक्षा की घड़ी नहीं है, यह हम नागरिकों के लिए भी अपने कर्तव्य निभाने और सरकार की पहल की लाज रखने का समय है।

कैसे सुधरेगी स्वास्थ्य क्षेत्र की सेहत

विनोद कुमार

भारत में संक्रामक और गैर-संक्रामक बीमारियों से बड़ी संख्या में होने वाली मौतों का कारण स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे का अभाव है। भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र पर बहुत ही कम निवेश किया जाना इसके पीछे बड़ी वजह है। भारत दुनिया के उन देशों में से है जो स्वास्थ्य सेवाओं पर अपने सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का सबसे कम खर्च करते हैं। जान है तो जहान है। आज पूरी दुनिया जिस संकट से गुजर रही है, उसमें यह बिल्कुल सही भी है। जान से बड़ी कोई चीज नहीं और जान के लिए सेहत से ज्यादा जरूरी कुछ भी नहीं। कहा गया है कि सेहत सबसे बड़ी नेमत है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि हर व्यक्ति के जीवन में अगर कुछ महत्त्वपूर्ण है तो वह है सेहत, क्योंकि सेहत ही जीवन की बुनियाद है। सेहत को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही किसी को भी मृत्यु के करीब ला सकती है।

इसी को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान में स्वास्थ्य के अधिकार को मूलभूत अधिकार करार दिया गया था। लेकिन आज हमारे देश का दुर्भाग्य है कि जो विषय हमारे लिए सबसे महत्त्वपूर्ण होना चाहिए था, वही सर्वाधिक उपेक्षित है। यह उपेक्षा सरकार के स्तर पर तो है ही, व्यक्ति और समाज के स्तर पर भी है। भारत में आमतौर पर सामान्य व्यक्ति अपने स्वास्थ्य को लेकर तब तक चिंता नहीं करता है, जब तक कि उसे कोई गंभीर बीमारी नहीं हो जाए। अक्सर लोग अपनी बीमारी की लंबे समय तक अनदेखी करते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि मामूली बीमारी भी गंभीर रूप धारण कर लेती है और जीवन संकट में पड़ जाता है। जानते-बूझते बीड़ी-सिगरेट पीना, पान-गुटका, तंबाकू चबाना, शराब पीना, खाने-पीने और साफ-सफाई के प्रति लापरवाही बरतना आदि स्वास्थ्य को लेकर हमारी उदासीनता का ही उदाहरण है।

व्यक्ति ही नहीं, बल्कि हमारा समाज भी स्वास्थ्य को लेकर चिंतित या जागरूक नहीं है। संभवत यही कारण है कि समाज में प्रदूषण, स्वच्छ पेयजल, खाद्य पदार्थों में मिलावट, सर्वसुलभ चिकित्सा सेवा जैसे स्वास्थ्य एवं जीवन को प्रभावित करने वाले विषय कभी भी चुनावी मुद्दे नहीं बनते। जिस देश में हर छोटी-बड़ी बातों को लेकर लेकर आंदोलन होते रहे हैं, उस देश में शायद ही स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे को लेकर कोई आंदोलन हुआ हो। धर्म, जाति सहित कई छोटे-छोटे मुद्दों को लेकर हम मरने-मारने को तैयार हो जाते हैं, लेकिन चमकी बुखार जैसी किसी बीमारी या किसी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण दर्जनों बच्चों की मौत हमें नहीं झकझोरती। जब व्यक्ति और समाज के स्तर पर स्वास्थ्य को लेकर कोई गंभीरता नहीं है, तो सरकारों के स्तर पर स्वास्थ्य को लेकर गंभीरता का नहीं होना स्वाभाविक ही है। इसका मूल कारण यही है कि सरकार की नीतियों एवं प्रथमिकताओं का निर्धारण व्यक्ति और समाज से ही होता है। इसलिए सरकार की प्राथमिकताओं में स्वास्थ्य हमेशा से सबसे निचले पायदान पर रहा है। इसके कई सामाजिक, राजनीतिक, भौगोलिक और प्रशासनिक कारण हैं। कारण चाहे जो भी हों, लेकिन देश के ज्यादातर हिस्सों में स्वच्छ पेयजल, गंदे पानी की निकासी, कूड़े-कचरे के निबटान और स्वच्छता जैसे जन स्वास्थ्य को

निर्धारित करने वाले बुनियादी ढांचों का या तो अभाव है या ये बहुत ही बदतर स्थिति में हैं।

इन कारणों से ही देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोग समय-समय पर संक्रामक बीमारियों की चपेट में आते रहते हैं। समस्या यहीं तक ही सीमित नहीं है। दशकों से भारत स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव झेलने को विवश है। देश के ज्यादातर हिस्सों में अस्पतालों या स्वास्थ्य केंद्रों का अभाव है और जो अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र हैं भी, वे भी खस्ताहाल हैं। वहां जरूरी चिकित्सा सुविधाओं की कमी है। मिसाल के तौर पर, साल 2017 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की कमी के कारण साठ से अधिक बच्चों की मौत हो गई थी। वर्ष 2019 में बिहार के मुजफ्फरपुर में चमकी बुखार के कारण दो सौ से अधिक बच्चे मारे गए थे। तपेदिक, मलेरिया, कालाजार, डेंगू, चिकनगुनिया, हैजा और डायरिया जैसी जल जनित बीमारियां भारत में स्वास्थ्य की बड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। भारत में बीमारियों से होने वाली कुल मौतों में एक चौथाई मौतें डायरिया, सांस संबंधी दिक्कत, तपेदिक और मलेरिया के कारणों होती हैं। साथ ही, एड्स, इबोला विषाणु, एवियन जुकाम, एच1एन1 विषाणु इत्यादि के होने का खतरा हमेशा बना रहता है। संक्रामक रोगों के साथ-साथ गैर-संक्रामक रोगों से ग्रस्त लोगों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि गंभीर चिंता का विषय है।

पर्यावरण प्रदूषण और जीवन शैली, शराब के सेवन, धूम्रपान, वसायुक्त खानपान और स्थूल जीवनशैली के कारण देश में मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग एवं कैंसर जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ा है। कई सामान्य-सी लगने वाली बीमारियां भी व्यापक स्तर फैलने लगती हैं और आबादी को प्रभावित करती हैं। भारत में हर साल अट्ठाईस लाख से ज्यादा लोगों की मौत हृदय संबंधी बीमारियों से हो जाती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) की नेशनल कैंसर रजिस्टरी प्रोग्राम के अनुसार भारत में हर दिन तेरह सौ से अधिक लोगों की मौत कैंसर से हो जाती है। भारत में संक्रामक एवं गैर संक्रामक बीमारियों से बड़ी संख्या में होने वाली मौतों का कारण स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे का अभाव है। भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र पर बहुत ही कम निवेश किया जाना इसके पीछे बड़ी वजह है। भारत दुनिया के उन देशों में से है जो स्वास्थ्य सेवाओं पर अपने सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी का सबसे कम खर्च करते हैं। भारत स्वास्थ्य सेवाओं में जीडीपी का महज 1.3 फीसद खर्च करता है, जबकि इसी मद में ब्राजील लगभग 8.3 फीसद, रूस 7.1 फीसद और दक्षिण अफ्रीका 8.8 फीसद खर्च करता है। दक्षेस देशों में अफगानिस्तान 8.2 फीसद, मालदीव 13.7 फीसद और नेपाल 5.8 फीसद खर्च करता है। दूसरे पड़ोसी देश चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान भी स्वास्थ्य क्षेत्र पर भारत से कहीं ज्यादा खर्च करते हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र पर कम खर्च किए जाने के कारण ही भारत में चिकित्साकर्मियों एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का घोर अभाव है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों के आधार पर प्रति एक हजार आबादी पर एक डॉक्टर होना चाहिए, लेकिन भारत में सात हजार की आबादी पर एक डॉक्टर है। देश में चौदह लाख डॉक्टरों की कमी है। ग्रामीण इलाकों में तो यह स्थिति और बुरी है।

देश में स्वास्थ्य क्षेत्र का बुनियादी ढांचा कैसा हो, स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता कैसी हो, इसका पता आज चल रहा है, जब हम एक महामारी का सामना कर रहे हैं। कोविड-19 का हमला हमें यह सोचने को विवश करता है कि देश में स्वास्थ्य क्षेत्र की सेहत पर अगर अब भी ध्यान नहीं दिया तो आने वाले वक्त में भीषण बीमारियों के प्रकोप से हमें कोई नहीं बचा पाएगा। भारत में कोविड-19 के मामलों का अब जिस तेजी से प्रसार हो रहा है, उससे जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। भारत की घनी आबादी, बीमारियों के प्रति लोगों में लापरवाही, जागरूकता के अभाव और कोविड-19 की जांच की सीमाओं को देखते हुए इस बात की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत में कोरोना संक्रमितों की संख्या इस महामारी से प्रभावित दुनिया के किसी भी देश की तुलना में अधिक हो सकती है। हालांकि समय से उठा लिए गए पूर्णबंदी जैसे कदम से महामारी के प्रसार को रोकने में काफी मदद मिली है, लेकिन इस महामारी ने स्वास्थ्य को हमारी प्राथमिकताओं में शामिल किए जाने की आवश्यकता को उजागर किया है। कोविड-19 के चलते पहले से चरमराई हुई चिकित्सा व्यवस्था पर बहुत अधिक बोझ पड़ा है और आर्थिक मंदी एवं बेरोजगारी के कारण समाज के कमजोर तबके में कुपोषण का खतर बढ़ा है। ऐसे में हमारे लिए भविष्य का रास्ता बहुत चुनौतियां भरा हो सकता है।

मां शेरावाली

मेरी माता शेरोवाली
मेरे घर भी तू आ जाना
बच्चे जो तुझे पुकारे
एक बार तो दर्शन दे जाना
जाने अनजान मैंने
माँ बहुत अपराध किए
उनको भी आकर
मिटा जाना
शिव ने जो जटा खिलारी
माया तू करें
सिंह सवारी
दुष्टों का संहार कर जाना
एक बार तो बेटे को अपने
गले लगा जाना
हैं जो गिले-शिकवे
उनको भी मिटा जाना

राजीव डोगरा विमल
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल, ठाकुरद्वारा।

यह कपूर कुछ अलग था

दो दिन पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म पर चार साल पुरानी फिल्म कपूर ऐंड संस देख रही थी। युवा नायक-नायिका की भीड़ में एक चरित्र जो सबसे अधिक सहज और प्रिय बन पड़ा है, वह है दादाजी अमरजीत का। ऋषि कपूर की अदायगी में मस्ती थी, संजीदगी थी, नयापन था और बहुत कुछ वह भी, जो वह वर्षों से करना चाह रहे थे। बात 1989 की है। एक के बाद दूसरी नाकामयाब फिल्में देने के बाद निर्देशक यश चोपड़ा एक रोमांटिक विषय पर अपना दांव खेलने जा रहे थे। फिल्म के हीरो थे उनके चहेते ऋषि कपूर। दिलचस्प बात यह थी कि उन दिनों यश चोपड़ा की तरह ऋषि कपूर के सितारे भी गर्दिश में थे। सलमान खान, आमिर खान फिल्मों में दस्तक दे चुके थे। गोविंदा, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ और मिथुन चक्रवर्ती ने जैसे सत्तर के चॉकलेटी बॉय और एटरनल रोमांटिक नायक ऋषि कपूर को कहीं पीछे धकेल दिया था। ऋषि कपूर उस दिन इंटरव्यू के दौरान कुछ घबराए हुए थे। नायिका प्रधान फिल्म चांदनी में अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट भी नहीं थे। इंटरव्यू के दौरान जब मैंने उनसे कहा कि हमारी पीढ़ी ने उनकी फिल्में देख-देखकर रोमांस का मतलब सीखा है, तो वह थोड़े नरम पड़े। यह सच भी था। हमारे समय के वह सबसे दिलकश और खुशमिजाज नायक थे, जिनकी फिल्में उस दौर की मार-काट और हिंसा से दूर प्रेम में रची-पगी होती थीं। यह सुनकर उनका चेहरा कभी-कभी के उजले चेहरे वाले सनी बॉय विक्की की तरह खिल उठा था। फिर वह कुछ सोचकर बोले, 'अब मैं रोमांटिक हीरो के इस घेरे से बाहर निकलना चाहता हूं।' चांदनी सफल रही। लेकिन इसका पूरा श्रेय फिल्म की नायिका श्रीदेवी को मिला। इसके बाद की फिल्मों में ऋषि कपूर लगातार अपने आपको दोहराते हुए नजर आए। उनसे दोबारा मुलाकात दो साल बाद हिना के सेट पर हुई। पाकिस्तानी अदाकारा जेबा बख्तियार के साथ वह फिर से अपने चहेते अखाड़े में थे, रोमांस और इश्क जैसे उनका पीछा

छोड़ना ही नहीं चाह रहा था। इस बार वह पहले की अपेक्षा सहज नजर आए। अब वह पहले की तरह चॉकलेटी बॉय नहीं लग रहे थे। वीडियो पायरेसी, नए सितारे और फिल्मों के बदलते कलेवर के बारे में बातें करते हुए उन्होंने कहा था, 'इस दौर में इंडस्ट्री में कोई आठ-दस साल टिक जाए, तो बड़ी बात है। मैंने तो अपना कोटा पूरा कर लिया है।' हिना का निर्देशन उनके भाई रणधीर कपूर कर रहे थे। ऋषि कपूर ने कहा था, 'मेरा वश चलता, तो मैं अभिनेता की जगह निर्देशक बनता। लेकिन मुझ पर दबाव था। मेरा नाम जोकर की असफलता के बाद मैंने पापा को मानसिक रूप से टूटते और आर्थिक रूप से बिखरते देखा था। फिल्म मेकिंग बहुत मुश्किल खेल है। एक्टिंग बनिस्बत आसान है।' ऋषि कपूर ने तब यह भी माना था कि अगर वह कपूर खानदान के चश्म-ओ-चराग न होते, तो शायद उन्हें इतने अधिक मौके और इतना लंबा करियर भी न मिल पाता। उन्हें शिकायत बस इस बात की थी कि वह दूसरे अभिनेताओं की तरह अपनी भूमिका के साथ प्रयोग नहीं कर पा रहे थे। और इसके कुछ साल बाद ही जब उन्हें प्रयोग करने और अपनी छवि बदलने का मौका मिला, तो वह पीछे हट गए। दरअसल, डर फिल्म में शाहरुख खान की भूमिका यश चोपड़ा ने सबसे पहले ऋषि कपूर को ही ऑफर की थी। लेकिन उस समय वह चुनौतियों के लिए तैयार नहीं थे और उन्होंने ही दीवाना फिल्म के अपने सह-नायक शाहरुख खान का नाम इस रोल के लिए प्रस्तावित किया था। नब्बे का दशक ढलते-ढलते इंडस्ट्री में खान तिकड़ी का परचम लहराने लगा। इस दौर में अमिताभ बच्चन को भी पॉज लेकर अपने आपको नए दौर के मुताबिक ढालना पड़ा। इस बीच ऋषि कपूर ने आ अब लौट चलें बनाकर फिल्म-निर्देशन में भी हाथ आजमाया। पर इस परीक्षा में नाकाम होने के बाद उन्होंने पाया कि निर्देशन उनके बस की बात नहीं। उनकी उम्र के अभिनेताओं के लिए जो रोल लिखे जा रहे थे, वे पुराने ढर्रे के थे। वह ऊब रहे थे अपनी भूमिकाओं से। पहले से कहीं ज्यादा बिंदास और बेबाक हो चले थे। बातचीत में कह भी देते कि इस उम्र में पहुंचने के बाद आपको किसी बात का डर नहीं रह जाता। यह निर्भीकता ही थी, जो शायद उनकी दूसरी पारी को धमाकेदार बना गई। अस्सी के दशक में बनी अग्निपथ के रीमेक (2012) में उनके लिए एक नया किरदार लिखा गया, रऊफ लाला का। निहायत काला किरदार। इससे पहले ऋषि कपूर ने खूंखार, शैतान और नेगेटिव इंसान की भूमिका नहीं निभाई थी। अग्निपथ की अग्नि-परीक्षा में वह अव्वल रहे। यह सत्तर और अस्सी के दशक का मासूम व खुशनुमा चेहरे वाला चॉकलेटी नायक नहीं था। यह चेहरा एक विशुद्ध कलाकार का था। अनुभव से तपा और हुनर से मंजा हुआ। इस फिल्म की कामयाबी के बाद ऋषि कपूर ने कई अलग तरह की भूमिकाएं निभाईं। डी डे का इकबाल सेठ, शुद्ध देसी रोमांस का शादी जमाने वाला ब्रोकर गोयल, 102 नॉट आउट में 75 साल का डरा हुआ बेटा, मुल्क में अपनी कौम के लिए लड़ रहे मुराद अली मोहम्मद। उनकी यह दूसरी पारी पहली के मुकाबले कहीं ज्यादा रंगीन और सशक्त थी। अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था, 'अब जाकर लग रहा है कि मैं एक स्टार नहीं, एक्टर हूं।' वाकई कपूर खानदान में इतनी विविध भूमिकाएं करने वाला और इतनी लंबी पारी खेलने वाला उनके अलावा कोई न था।

ज्ञान गंगा

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें

शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए। कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

गौर से सुनो

बड़े शहरों की लम्बी सड़कें,
बातें करती हैं आजकल

अपनी अंधेरी-उंजेली रातों की,
सुनाती हैं वर्षों पुरानी कहानियां,
सर्दी, गर्मी-- बरसातों की।
कभी वृक्षों को देख ही हंस देती हैं अब,
कभी बतियातीं हैं डिवाइडरों से जाकर
गिरते पत्तों को समेट लेती हैं आंचल में
फूंक मारकर कभी उड़ा देती हैं धूल चेहरे से सब,
माना कि ये सन्नाटे वे मांगा करती थी
वे उनकी दुआओं में अक्सर,
थमी हुई देखना चाहतीं थी,
उनपर दौड़ती जिंदगियों को पल भर को
पर ये कुछ ज्यादा मिला है,
उन्हें उनकी दुआ के एवज में
अब वे सवाल करतीं हैं प्रकृति से,
और जवाब में सन्नाटे मिलते हैं उन्हें;
अब तो वे याद करतीं हैं टूटकर
उनपर आते-जाते लोगों को,
घूमते बच्चों को, दौड़ती कारों को,
गिरकर-संभलते, संभलकर-गिरते बूढ़ों को
सांझा करतीं हैं दिल? के राज़ अब
उन दिनों के गवाह चांद-तारों से,
उन्हें रो-रोकर दुखड़ा सुनातीं हैं
चाँदनी पड़े उनपर, इतने में ही मुस्कुरातीं हैं
उन्हें अब खलने लगा है,
ये सूनापन, ये सन्नाटा उनकी जिन्दगी का--2
पदचापों की आहट सुनने को,
बेकरार हैं कर्णपटल उनके
और दौड़ते पहियों का सुखद स्पर्श
याद करता है उनका वक्षस्थल
हां! बड़े शहरों की लम्बी सड़कें
बातें करतीं हैं आजकल..

नेहा सोनी सनेह
आलमपुर भिण्ड मप्र

कुछ शायरियाँ ऐसी भी होती हैं जिन्हें नहीं लिखते उर्दू के उम्रदराज मकबूल शायर......

बैठ के झील किनारे देख के कोई हसीन नजारे और नहीं होते उनके लफ्ज़ शायरीनुमा नहीं होते उनके काफ़िये किसी बेहतरीन कलम के नहीं होती वो शायरियाँ किसी उम्दा शायर का दर्द

हाँ.....

कुछ शायरियाँ होती है जिन्हें लिखते हैं हम जैसे नए शायर जो होते हैं बेहद ही कम उम्र वाले उर्दू पसन्द मामूली शायर हमें काफ़िया तलक ढंग से पूरा करना नहीं आता लेकिन हाँ हम जैसे नए शायर सीखने के शौक़ीन जरूर होते हैं कभी हमारी ज़ुबान से भी निकलते हैं कुछ बेहपरवाह से लफ्ज़ जो हमारी नजर में बाकमाल होते हैं जी हां कभी कभार कुछ एक आद ढंग का मतला शेर लिख भी देते हैं तो महसूस होता है मानो हम ही मिर्जा ग़ालिब हैं लेकिन भूल जाते हैं कि अभी हमारी कलम ने इतना सफ़र तय नहीं किया कि हम शायरी की दुनिया में एक उम्दा दस्तख़त बन सकें। और हमने अभी उतना दर्द नहीं सहा जितना हमें काबिल बनाता है कि हम लिख सकें अपने नाम के आगे शायर..असल में हमारी शायरी मुकम्मल शायरी नहीं होती , बस निकल

पड़ती हैं यूँ ही किसी हमनशीं की तारीफ में भले ही ये दुनिया हमारे लफ्ज़ों को तवज्जों न दे मग़र वाकई हमारे लफ्ज़ इतने काबिल तो होते हैं कि कोई खास उन्हें सुनकर बस हल्के से मुस्कुरा दे और सिर्फ एक मुस्कुराहट हमारे लिए सबसे बड़ी वाह वाही होती है... हमारी बातें होती हैं कागज़ कलम से कई मीलों दूर हम अक़्सर ख्यालों में जीना ज्यादा पसन्द करते हैं हमारे लफ्ज़ सिर्फ लफ्ज़ नहीं होते ये होते हैं हमारी आपबीती का जरा सा हिस्सा दरअसल हमारे पास कोई इतना अजीज़ है ही नहीं जिसके हम गले लगकर दिल खोल के रो सकें अपनी तकलीफों को बयाँ कर सकें इसलिए हमारी दोस्ती इंसानों से कम अक्सर डायरियों से ज्यादा हो जाती है पता नहीं क्यूँ हम अपने आज में नहीं अपने बीते हुए कल में जीना पसन्द करते हैं क्यूँकि उस कल ने हमें दिया है बेशुमार दर्द शीरीं अश्क़ और गज़ब की तन्हाई और हमें बस बेपनाह मुहब्बत है अपनी इन्हीं चीजों से....

खैर...........

हम अब भी इसी जद्दोजहद में हैं कि कैसे उतारे अपने ख्यालों को इन उड़ते पन्नों पे बस कोशिश जारी है नए शायर से पुराना बनने की.. दरअसल, हमारे लफ्ज़ खरे नहीं उतरते शायरियों के पैमानों पे लेकिन हाँ ये खरे उतरते हैं हमेशा इश्क़ के पैमाने पे जी हाँ इश्क़ के पैमाने पे.... !!

नीतेश कुमार दोहरे
दबोह भिण्ड मप्र

लॉकडाउन से बाहर आने का रोडमैप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनौतीपूर्ण समय है। कई राज्य सरकारें और अधिकांश विश्लेषक चाहते हैं कि लॉकडाउन का काल और बढ़ाया जाए, क्योंकि नए मामले लगातार सामने आ रहे हैं। अब तो उन इलाकों में भी संक्रमण फैलने लगा है, जो कोरोना से बचे हुए थे। यह सही है कि अपने यहां संख्या ज्यादा होने या आंकड़ों की आधार-रेखा की वजह से संक्रमित मरीजों के दोगुने होने की दर 11 दिन से ज्यादा है, लेकिन आने वाले दिनों में नए मामले आते ही रहेंगे। लेकिन इसके साथ-साथ, 40 करोड़ से अधिक लोगों की आजीविका का मसला भी हमारे सामने है। जिस तरह से लोगों की आमदनी खत्म हुई है, उससे कई परिवारों के फिर से गरीबी रेखा के नीचे खिसकने का खतरा बढ़ गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था का लगभग 65 फीसदी हिस्सा असंगठित क्षेत्र का है। उस पर से मुश्किल यह है कि 90 फीसदी से अधिक श्रम-बल अस्थाई है, जिसके पास सीमित कल्याणकारी अधिकार हैं। यदि जन-धन योजना (नकदी हस्तांतरण, जिससे किसान, ग्रामीण कामगार, गरीब पेंशनभोगी, निर्माण-कार्य करने वाले मजदूर, गरीब विधवा जैसी 35 करोड़ आबादी लाभान्वित हुई है) और आयुष्मान भारत (देश की 40 फीसदी जनसंख्या को पांच लाख रुपये तक मुफ्त चिकित्सा बीमा) जैसे कार्यक्रम नहीं चलाए गए होते, तो भारत आज एक भयावह स्थिति का सामना कर रहा होता। चूंकि हमारे यहां यूनिवर्सल बेसिक इनकम (न्यूनतम मासिक आय) या बेरोजगारी लाभ जैसी व्यवस्था नहीं है, इसलिए कमजोर आर्थिक स्थिति वाली आबादी की आमदनी जल्द सुनिश्चित करनी होगी, और इसके लिए अर्थव्यवस्था को फिर से गति देना बहुत आवश्यक है। प्रधानमंत्री के सामने अब बड़ा सवाल यह है कि लाखों भारतीयों के जीवन को खतरे में डाले बिना लॉकडाउन को कैसे खोला जाए? मेरे सह-लेखक मॉरिस कुगलर ने अमेरिका के लिए छह विकल्प तैयार किए हैं। हम चाहें, तो इन्हें भारत में भी लागू कर सकते हैं। इस महामारी को नियंत्रित करने का सबसे सुरक्षित तरीका यह है कि टीका विकसित होने तक लॉकडाउन को जारी रखा जाए और फिर सबको टीका लगाकर सुरक्षित कर दिया जाए। दूसरा, लॉकडाउन में छूट धीरे-धीरे दी जाए और जब तक इस महामारी की वक्र रेखा समतल स्थिति में आएगी, इसका स्वास्थ्य और आर्थिक व्यापार संतुलन, दोनों मध्य श्रेणी में आ जाएगा।

दैनिक
पुष्पांजली टुडे

फीचर

ग्वालियर, रविवार, 03 मई 2020

ऋषि कपूर को याद कर आलिया भट्ट ने लिखा- पिछले दो सालों में मैंने उन्हें दोस्त और पिता के रूप में जाना

मुंबई. ऋषि कपूर के निधन पर आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखा है। वे लिखती हैं, इस खूबसूरत आदमी के बारे में मैं क्या कह सकती हूं, जो मेरी जिंदगी में ढेर सारा प्यार और भलाई लेकर आया। आज हर कोई उस लीजेंड के बारे में बात कर रहा है, जो ऋषि कपूर है। हालांकि, मैंने जीवनभर उन्हें इसी रूप में ही जाना।

आलिया ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा है, पिछले दो साल से मैंने उन्हें दोस्त, चाइनीज फूड लवर सहयोगी, पूरी तरह सिनेमा के दीवाने, एक फाइटर, एक लीडर, एक खूबसूरत कहानी वक्ता, एक एक्स्ट्रीमली पैशनेट ट्वीटर और एक पिता के रूप में जाना। इन दो वर्षों में मुझे उनसे जो प्यार मिला, वह वार्म हग की तरह है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखना चाहूंगी। ब्रह्माण्ड का शुक्रिया कि उसने मुझे उन्हें जानने का अवसर दिया। आज संभवतः हम में से ज्यादातर उन्हें परिवार की तरह कह सकते हैं। क्योंकि उन्होंने आपको ऐसा ही महसूस कराया है। लव यू ऋषि अंकल। आप हमेशा याद आएंगे। शुक्रिया आपको आप होने के लिए। आलिया ने एक फोटो भी इंस्टाग्राम पर साझा की है, जो रणबीर कपूर के बचपन की है। फोटो में वे पिता ऋषि कपूर के साथ दिखाई दे रहे हैं। आलिया ने कैप्शन में लिखा है, ब्यूटीफुल ब्वॉयज। गौरतलब है कि आलिया पिछले करीब दो साल से ऋषि के बेटे रणबीर को डेट कर रही हैं। मंगलवार रात जब ऋषि मुंबई के एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल के आईसीयू में थे, तब आलिया वहां उनसे मिलने पहुंची थीं। बुधवार को भी पूरे दिन कपूर परिवार के साथ ही रहीं और ऋषि कि पत्नी नीतू का ढाढस बंधाती रहीं।

पति के अंतिम संस्कार पर खूब रोई नीतू कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर ऋषि कपूर अब हमारे बीच नहीं रहे। ऋषि कपूर पंचतत्व में विलीन हो चुके हैं। बीती शाम मुंबई के चंदनवाड़ी शवदाह गृह में उनका अंतिम संस्कार किया गया। ऋषि के जाने के बाद कपूर परिवार पर ये बड़ा पहाड़ टूटा है। ऋषि कपूर अपने पीछे अपनी पत्नी नीतू कपूर बेटे रणबीर कपूर और बेटी रिद्धिमा को छोड़ गए हैं। पति के जाने के बाद नीतू कपूर का रो-रो कर बुरा हाल है। ऋषि कपूर के मुश्किल समय में नीतू कपूर ने हर कदम पर उनका साथ दिया। दिन रात एक्ट्रेस ने अपने पति की सेवा की पूरा ख्याल रखा। या यूं कहें हर वक्त साय की तरह उनके साथ रहती थी। ऋषि के अंतिम संस्कार की कुछ फोटोज सामने आई थी जिसमे नीतू बुरी तरह रोती नजर आई थी।

वहीं रणबीर कपूर पापा के सामने सिर झुकाए खड़े दिखे। इस दुख की खड़ी में आलिया कपूर ने नीतू कपूर का संभाला। नीतू कपूर आए दिन ऋषि कपूर के सेहत के बारे में अपडेट्स शेयर करती रही। ऋषि और नीतू की शादी को 39 साल हो चुके थे। तमाम उतार चढ़ाव के बावजूद दोनों का रिश्ता मजबूत बना रहा। आपको बता दें कि ऋषि अपने दौर के लवर बॉय थे और जब नीतू सिंह ने उनके साथ फिल्म जहरीला इंसान में काम किया तो उनके प्यार में पड़ गईं। नीतू रिशी के प्यार में पड़ी नीतू का पहला प्यार तो रिशी ही थे लेकिन रिशी का पहला प्यार थी बॉबी यानि डिंपल कपाड़िया। फिल्म बॉबी में रिशी कपूर ने डिंपल के साथ काम क्या किया वो तो उनसे प्यार कर बैठे थे।

बॉलीवुड को लगातार तीसरा झटका, प्रोड्यूसर्स गिल्ड के सीईओ का हार्ट अटैक से निधन

हिंदी फि ल्म इंडस्ट्री इस वक़्त बेहद खराब दौर से गुजर रही है। एक के बाद एक बुरी खबरें आ रही हैं। पहले इरफान खान, फिर ऋषि कपूर और अब प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के सीईओ कुलमीत मक्कड़ के निधन की खबर आयी है। 60 साल के कुलमीत का निधन दिल का दौर पड़ने से हुआ। खबर फैलते ही बॉलीवुड में शोक की लहर छा गयी है। सेलेब्रिटी उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। करण जौहर ने ट्विटर पर कुलमीत मक्कड़ के योगदान को रेखांकित करते हुए अफ़सोस जाहिर किया। उन्होंने लिखा- कुलमीत, प्रोड्यूसर्स ऑफ गिल्ड ऑफ इंडिया के लिए आप एक स्तम्भ की तरह थे। इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने के लिए बिना थके काम करते रहे। आप बहुत जल्दी चले गये। आप हमेशा याद आओगे। मेरे दोस्त, ईश्वर आपको शांति दे। करण के इस ट्वीट पर निर्देशक रितेश बत्रा ने लिखा- बहुत दुखद है। बेहद अच्छे इंसान थे। निमार्ता-निर्देशक रोहन सिप्पी ने कुलमीत मक्कड़ को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा- बेहद दुखद और बुरी खबर। फि ल्म इंडस्ट्री ने एक और अपूर्णीय कद्दावर को खो दिया है। विद्या बालन ने बिना किसी शोर-शराबे के अपना काम करते रहने के लिए मक्कड़ को सराहते हुए श्रद्धांजलि दी।

इंडिया टेलीविजन वेबसाइट के अनुसार, कोविड 19 लॉकडाउन की वजह से कुलमीत धर्मशाला में थे, जहां उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। मक्कड़ ने मनोरंजन उद्योग जगत में 30 साल से अधिक गुजारे हैं। इस दौरान वो सारेगामा और रिलायंस एंटरटेनमेंट समेत कई कम्पनियों से जुड़े रहे। 2010 में कुलमीत ने प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया को बतौर सीईओ ज्वाइन किया था। मक्कड़ कोविड 19 से प्रभावित डेली वेड वर्कर्स की मदद के लिए एक ट्रस्ट की स्थापना में जुटे थे, जिसके लिए नेटफ्लिक्स ने एक मिलियन डॉलर का योगदान देने का

एलान किया था। बता दें कि बुधवार को इरफान खान और गुरुवार को ऋषि कपूर ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। इरफान का निधन मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में हुआ था, जबकि ऋषि ने एचएन रिलायंस अस्पताल में आखिरी सांस ली थी।

नसीरूद्दीन शाह स्वस्थ हैं और घर पर हैं, बेटे विवान ने बताया सच !

अभिनेता इरफान खान और ऋषि कपूर की डेथ से उन्हें काफी दुख पहुंचा है।

विवान ने ट्वीट में लिखा, सब ठीक है। बाबा एकदम ठीक हैं। बाबा के स्वास्थ्य के बारे में फैली सभी अफवाहें गलत हैं उन्होंने इरफान और चिंटूजी के लिए प्रार्थना की है। वो दोनों को बहुत याद कर रहे हैं। बाबा ने दोनों परिवारों के लिए अपनी संवेदनाएं भी जाहिर कीं। हम सभी दिल से दोनों के लिए दुखी हैं। उनके जाने से बहुत बड़ा लॉस हुआ है। विवान शाह के ट्वीट पर नसीरुद्दीन के एक फैन ने कमेन्ट कर लिखा- वो आदमी राष्ट्रीय खजाना है। कृपया उसका ध्यान रखें। सुरक्षित रहें। तो वहीं दूसरे वेल विशर ने लिखा नसीरुद्दीन शाह को शुभकामनाएं, इसकी पुष्टि नसीरुद्दीन की भतीजी सायरा शाह हलीम ने भी कर दी है। सायरा ने बताया कि-वो बिल्कुल ठीक है, और मुंबई में मेरी चाची रत्ना के साथ लॉकडाउन में अपना समय बीता रहे हैं। ये नकली गलत है सायरा के अनुसार, उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल जमीरूद्दीन शाह ने कुछ समय पहले ही ऐक्टर नसीरुद्दीन से बात की थी और उन्हें आश्वासन दिया गया था कि नसीरुद्दीन शाह फिट और सही सलामत हैं।

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर इरफान और ऋषि के निधन से बॉलीवुड सदमे में हैं। इन दोनों कलाकारों का निधन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की वजह से हुआ। इरफान को न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर था जबकि ऋषि ल्यूकेमिया से जूझ रहे थे। दोनों दिग्गजों की डेथ के बाद से ही सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह के हॉस्पिटल में एडमिट होने की खबरें फैलानी शुरू कर दी थी और देखते ही देखते ये खबर सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी थी। तेजी से वायरल हो रही नसीरुद्दीन शाह के हॉस्पिटल में एडमिट होने की खबरों पर बेटे विवान ने सफाई दी है और इन खबरों को महज कोरी अफवाह बताया है। एक ट्विटर पोस्ट में विवान शाह ने अपने पिता के शुभचिंतकों से कहा कि वो ठीक हैं और

कोरोना काल में बॉलीवुड सिंगर के कैंसर मरीज पिता का निधन !

कैंसर बॉलीवुड जगत के लिए एक बेहद दर्दनाक सच बन चुका है। इरफान खान और ऋषि कपूरका निघन भी कैंसर से ही हुआ। बॉलीवुड में ना जाने कितने सितारे कैंसर की जंग हार गए और हाल ही में फेमस सिंगर अर्जुन कानूनगो ने भी अपने पापा को लिवर कैंसर की वजह से खो दिया। बुधवार को एक तरफ हर कोई इरफान खान के जाने का गम मना रहा था तो दूसरी तरफ सिंगर अर्जुन कानूनगो के पापा का निधन भी उसी दिन हुआ। अर्जुन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस दुखद खबर की जानकारी दी।

पिछले साल ही अर्जुन ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया था कि उनके पापा लिवर कैंसर की फोर्थ स्टेज पर है। अर्जुन ने एक लंबा चौड़ा पोस्ट फैंस के साथ शेयर किया था, लेकिन अफसोस तमाम इलाज के बाद भी अर्जुन के पापा दुनिया को अलविदा कह गए। आपको बता दें अर्जुन ने इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक गाने दिए हैं। बाकी बातें पीने के बाद, आया ना तू और होना चाहिदा के लिए अर्जुन कानूनगो जाने जाते हैं। पिता के निधन से वो सदमे में हैं। आपको बता दें कैंसर की वजह से बॉलीवुड जगत को काफी नुकसान हुआ है। अर्जुन के पापा, इरफान और ऋषि कपूर से पहले भी कई सितारे हमेशा हमेशा के लिए हम सबको अलविदा कह चुके हैं।

जन्मदिन की बधाई

25 साल की हुई राधिका मदान

टीवी और बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका मदान आज अपना 25वां जन्मदिम मना रही हैं। लॉकडाउन के चलते एक्ट्रेस अपना बर्थडे घर ही सेलिब्रेट कर रही हैं। राधिका दिल्ली के पीतमपुरा की रहने वाली हैं। जो अब मुंबई में जा बसी हैं। जन्मदिन के इस मौके पर हम आपको राधिका की पर्सनल लाइफ और उनके टीवी और फिल्मी करियर के बारें में बताएंगे।

राधिका ने अपने करियर की शुरूआत साल 2014 में कर दी थी। उस वक्त वो सिर्फ 19 साल की थी। जब राधिका ने टीवी की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने टीवी शो मेरी आशिकी तुमसे ही में ईशानी के किरदार में नजर आईं थी। एक्ट्रेस बनने से पहले राधिका मदान दिल्ली में डांस ट्रेनर थीं। ये सीरियल इतना हिट था कि घर-घर में उनकी पहचान बन गई थी। इसके लिए साल 2015 में राधिका को बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था। सीरियल 'मेरी आशिकी तुमसे ही' कुछ सालों में बंद हो गया था। जिसके बाद एक्ट्रेस ने टीवी की दुनिया से दूरी बना ली थी।

उन्होंने कहा था कि वह अपने फिल्मी करियर पर फोकस किया। इसमे उन्हें अपनी जीत हासिल हुई। राधिका का मौका मिला विशाल भारद्वाज की फिल्म में। उनके करियर के लिए बड़ा ब्रेक माना गया। साल 2018 में राधिका मदान ने बॉलीवुड में एंट्री मारी थी। फिल्म पटाखा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। कम बजट की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कमाल किया था। इसमे सान्या मल्होत्रा भी नजर आई थी। इस फिल्म के बाद राधिका की दूसरी फिल्म मर्द को दर्द नहीं होता रिलीज हुई। वहीं बीते महीने एक्ट्रेस की तीसरी फिल्म रिलीज हुई जिसका नाम था 'अंग्रेजी मीडियम'। इस फिल्म में राधिका ने इरफान खान की बेटी का रोल निभाया था। लॉकडाउन के चलते एक्ट्रेस इन दिनों अपना सारा समय अपने घर पर ही बीता रही हैं। राधिका का मुंबई की परिणीता बिल्डिंग में अपना अपार्टमेंट है। जो बेहद खूबसूरत है। राधिका ने अपने घर को बड़ी खूबसूरती से सजाया हुआ है। यहां इन दिनों वो अपना सारा समय बीतार रही हैं। सोशल मीडिया पर घर बैठे एक्ट्रेस अपना कैसे टाइम पास कर रही है वो तस्वीरें में साफ नजर आ रहा है। कभी पेड-पौधों में पानी देकर तो वहीं पियानो बजाकर। तो वहीं एक्ट्रेस इन दिनों कुकिंग भी कर रही हैं।

गली ब्वॉय में मुराद बनने के लिए रणवीर सिंह ने ऐसे दिया लुक टेस्ट

साल 2019 में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म गली ब्वॉय रिलीज हुई थी। इस फिल्म पर दर्शकों ने जमकर प्यार लुटाया था और इसे सुपरहिट करार दिया था। रणवीर इस फिल्म में एक गरीब घर के लड़के बने थे जिसके सपने बहुत बड़े थे। फिल्म में रणवीर का नाम था 'मुराद। मुराद को रैप बहुत पसंद था और वो बहुत फेमस रैपर बनना चाहता था। फिल्म में रणवीर की एक्टिंग के साथ-साथ उनके लुक को भी काफी पसंद किया गया था। वैसे ये रणवीर की खासियत है, वो फिल्म में जो भी किरदार निभाते हैं उसमें पूरी तरह रम जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं रणवीर का मुराद लुक कैसे तैयार किया गया था। रणवीर सिंह कि कुछ पुरानी फोटोज सामने आई हैं जो उनके फैन क्लब ने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में रणवीर मुराद के केरेक्टर के लिए खुद को तैयार करते नजर आ रहे हैं। फोटोज से ये साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि ये उस टाइम की फोटोज हैं जब गली बॉय के लिए रणवीर के कॉस्टयूम डिसाइड किए जा रहे होंगे। फोटोज में रणवीर मुराद के अलग-अलग गेटअप में खुद को निहारते नजर आ रहे हैं। कभी पैर में जूते तो कभी चप्पल, कभी हुड वाली जैकेट तो कभी कुर्ता...तस्वीरों में रणवीर अलग-अलग लुक में नजर आ रहे हैं। देखें तस्वीरें। रणवीर के वर्क फ्रंट की बात करें एक फिल्म 83 में नजर आने वाले हैं। फिल्म में दीपिका पादुकोण उनके साथ लीड रोल में नजर आएंगी। फिल्म में दीपिका, रणवीर की पत्नी का किरदार निभाएंगी। 83 में रणवीर क्रिकेटर कपिल देव का रोल निभाएंगे। फिल्म 10 अप्रेल को रिलीज होने वाली थी जो कि लॉकडाउन की वजह से नहीं हो पाई।

बहुत जल्द रिलीज होगी इरफान खान की आखिरी फिल्म !

हाल ही में इरफान खानहम सभी को अलविदा कह कर गए हैं लेकिन कोई भी इरफान का जाना हजम नहीं कर पा रहा है। इरफान सिर्फ 54 साल के थे। उनके तमाम फैंस सदमे में हैं। इसी बीच सबके लिए खुशखबरी है और वो ये की इरफान की एक इंटरनेशनल फिल्म जल्द ही रिलीज की जाएगी। इस फिल्म का नाम है मंत्रा - सॉन्ग ऑफ स्कॉर्पियन। फिल्म की शूटिंग तो पहले ही हो गई थी पर फिल्म रिलीज नहीं हो पाई थी। इस फिल्म की कहानी राजस्थान की एक ऐसी सिंगर की लाइफ की जर्नी पर आधारित है, जो हर किसी को अपने गाने के जरिए परेशानियों से दूर रहने में मदद करती है लेकिन फिर उसे उसकी लाइफ बर्बाद करने वाले शख्स की याद आती है और वह एक सफर पर निकल पड़ती है। ऐसे सफर पर जिसमें वह खुद को हील कर सके। फिल्म में इरफान के किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं मिल पाई है लेकिन कहा जा रहा है कि फिल्म में उनका किरदार काफी अहम होगा। आपको बता दें फिल्म में बॉलीवुड की वेटरन एक्ट्रेस वहीदा रहमान भी नजर आएंगी और वह भी अहम किरदार निभाते हुए। ना सिर्फ यह इंटरनेशनल लेवल कि फिल्म, बल्कि इरफान के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। जल्द ही दूरदर्शन ने इरफान के प्रसिद्ध शो श्रीकांत को हर रोज 3:30 बजे रीटेलीकास्ट करने का प्लान बनाया है। आपको बता दें फिल्मों में आने से पहले

इरफान सीरियल्स में ही काम किया करते थे। उनका शो श्रीकांत शरतचंद्र चट्टोपाध्याय की बुक पर आधारित था। इस खबर का ऑफिशियल कंफर्मेशन डीडी ने ट्विटर के जरिए दिया है।

बीते बुधवार को इरफान खान ने हम सभी को हमेशा हमेशा के लिए अलविदा कह दिया था। कैंसर से जंग लड़कर कुछ महीनों पहले लौटे इरफान इस तरह अचानक चले जाएंगे किसी को भी अंदाजा नहीं था। फॉरेस्ट गंप स्टार टॉम हैंक्स ने इरफान को याद करते हुए एक इंटरव्यू में बताया था कि मैं खुद को सबसे कूल समझता था लेकिन इरफान तो कूलेस्ट शख्स निकले। एंजलिना जोली ने भी इरफान को याद किया। भले ही इरफान आज हमारे बीच ना हो, लेकिन अपनी फिल्मों के जरिए ,अपनी अदायगी के जरिए और अपनी कला के जरिए वह हमेशा हमारे बीच रहेंगे और जब जब हम उन्हें पर्दे पर देखेंगे तो हमेशा जीवंत ही पाएंगे।

जल्द मां बनने वाली हैं एकता

टीवी का जाना माना कपल एक्ट्रेस एकता कौल और एक्टर सुमित व्यास ने बीते दिनों अपने फैंस के साथ अपने पैरेंट्स बनने की खुशी को शेयर किया था। इस कपल इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की थी जिसमे एकता अपनी बेबी बंप के साथ नजर आई थी।

खबर है कि इस महीने में पैरेंट्स बनने वाला हैं। इन दिनों एकता और सुमित लॉकडाउन के चलते एक दूसरे का पूरा पूरा ख्याल रख रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर खूब तस्वीरें शेयर करते रहते है। दोनों अपने आलीशान घर में ही रहकर समय बीता रहे हैं। एकता कौल अक्सर सोशल मीडिया पर अपने घर के हर कौने की तस्वीर शेयर करती हैं। जिससे ये साफ जाहिर हो रहा है कि उन्हें अपने इस घर से बेहद प्यार है। तो चलिए आज हम आपको उनके घर की तस्वीरें दिखाते है जिसे इस कपल ने बड़ी खूबसूरती से सजाया हुआ है।

इस फोटो में एकता के घर का लीविंग एरिया नजर आ रहा हैं। जहां एकता अपना अक्सर समय बिताती हैं। यहां उन्होंने बड़े-बड़े पौधें रखे हुए है। साथ ही दीवारों पर बड़ी पेंटिंग लगाई हुई हैं। बता दे ये कपल हर साल अपने घर में बप्पा की स्थापना करता है। इस कपल ने साल 2018 में शादी की थी। दोनों ने जम्मू में कश्मीरी रीति-रिवाज से शादी की थी। सोशल मीडिया पर इ?की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। सुमित की बात करें तो वो फिल्म 'वीरे दी वेडिंग', 'पार्च्ड', 'रिबन' और 'मेड इन चाइना' में सशक्त भूमिकाएं निभा चुके है।

अम्बाह में दूसरे लॉक डाउन पर शक्ती चप्पे-चप्पे पर पुलिस

बेबजह मोटर साइकिल पर घूमने बालों के 22 चालान काटे 5500 रू बसूल

केशब पडित जी अम्बाह

अम्बाह। प्रदेश में 03 मई तक के लॉकडाउन की घोषणा के बाद मध्यप्रदेश के मुरैना जिले में लॉक डाउन का असर साफतौर से देखने को मिल रहा है मुरैना एसपी डा.असित यादव के निर्देशन में पुलिस जगह जगह मुस्तैद है इस वजह से लॉकडाउन सफल साबित हो रहा है बेबजह मोटर साइकिल पर घूमने बालो पर आज शक्ति से चालानी कारबाही की गई है जिसमे 22 चालान काटकर 5500 सौ रूपये बसूल किये गये है दोपहर सब्जी मण्डी मे बेबजह भीड बढने से सब्जी सम्पूर्ण अम्बाह को तीन दिन के लिये बन्द रखा है जिसमे कृषि कार्य व मेडीसिन से सम्बधित प्रतिष्ठान खुले रहैगे

अम्बाह एसडीएम बिनोद सिह तहसीलदार सर्बेश यादव व सीएमओ सुरैन्द्र शर्मा व अम्बाह एसडीओपी अबनीश बंसल थाना प्रभारी शिबसिह यादव अम्बाह पुलिस फोर्स के साथ शहर के विभिन्न चौराहों, मोहल्लों व गलियों में घूम घूमकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं अम्बाह तहसीलदार सर्बैश यादव व थाना प्रभारी शिबसिंह यादव सुबह पॉच बजे से ही पूरे शहर का राउन्ड लगाते हुऐ समझाइस देते है जीबन अनमोल है अपने परिबारीजनो हित चाहते हुऐ लोगों से आह्वान किया है कि वह अपने घरों में ही रहें अनावश्यक घर से बाहर ना निकले।

माध्यमिक शिक्षा मंडल के निर्देशानुसार करें मूल्यांकन, कलेक्टर के निर्देश

शिवपुरी-माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी परीक्षा सत्र 2020 की अमूल्यांकित उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन माध्यमिक शिक्षा मण्डल के दिशा निर्देशों के अनुरूप गृह मूल्यांकन किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने मूल्यांकन कार्य में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। समस्त विकासखण्डों में किए जा रहे मूल्यांकन के निरीक्षण हेतु विकासखण्ड स्तरीय एवं जिला स्तरीय निरीक्षण दलों का गठन किया गया है। इन दलों द्वारा निरीक्षण कर मूल्यांकन प्रक्रिया का जायजा लिया जा रहा है। शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी श्री अजय कटियार ने पोहरी एवं खनियाधाना क्षेत्र में मूल्यांकन कार्य का जायजा लिया। उन्होंने सभी मूल्यांकन कर्ताओं को निर्देश दिए हैं कि मूल्यांकन करते समय उत्तरपुस्तिकाओं के पास छोटे बच्चों को खडा न करें। साथ ही उसी टेबिल पर जिस पर अमूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाएं रखी है पानी का गिलास इत्यादि सामग्री न रखें, जिससे उत्तरपुस्तिकाओं के क्षतिग्रस्त होने की संभावना बन सकती है। इससे मूल्यांकन प्रभावित हो सकता है। जिनके द्वारा लापरवाही बरती जा रही है उन मूल्यांकनकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया जा रहा है। ऐसा ही एक मामला पोहरी विकासखण्ड के अंतर्गत शासकीय कन्या हाई स्कूल पोहरी की अध्यापक श्रीमती निशा लक्ष्मी सवालखिया का है। निरीक्षण दल द्वारा उपलब्ध फोटोग्राफ को देखने पर सामने आया है कि मूल्यांकन के दौरान छोटे बच्चे को पास में खड़ा किया गया है। बच्चों द्वारा उत्तरपुस्तिका को क्षतिग्रस्त किया जा सकता है। अतः श्रीमती निशा लक्ष्मी सवालखिया, अध्यापक को लापरवाही पूवर्क मूल्यांकन करने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि मूल्यांकन बोर्ड के निर्देशानुसार किया जाए, उत्तरपुस्तिकाओं को सुरक्षित ढंग से अलमारी में ताले में रखा जाए तथा जिस कक्ष में मूल्यांकन का कार्य सम्पन्न किया जा रहा है, उस कक्ष में छोटे बच्चे अथवा अन्य कोई व्यक्ति उपस्थित न हो, साथ ही उत्तरपुस्तिका के अनुक्रमांक पर लगा हुआ होलोक्राफ्ट स्टीकर किसी भी स्थिति में न हटाया जाए। मूल्यांकन की गोपनीयता पूर्णरूप से बनी रहे, यह सुनिश्चित किया जाए।

पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर ने

शातिर शराब तश्कर पवन बनिया को कोर्ट ने भेजा जेल

सुरजीत सिंह राजावत

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नवनीत भसीन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मध्य श्री पंकज पांडेय के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा ग्वालियर श्री रवि भदौरिया व पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर टी आई आलोक परिहार के नेतृत्व में पवन अग्रवाल पुत्र साबर मल उम्र 45 वर्ष निवासी तिकोनिया पार्क के पास न्यू कॉलोनी नंबर 1 ग्वालियर को आज सुबह उसके घर के पास तिकोनिया पार्क से धारा 34(2) आबकारी एक्ट में गिरफ्तार कर कोर्ट पेश किया व कोर्ट ने जेल भेजा दिनांक 18 /4 / 20 की रात पुलिस ने छापा मारकर शताब्दीपुरम से आरोपी नितिन गुप्ता निवासी शताब्दी पुरम ,अशोक शिवहरे निवासी नर सिंह नगर ,अरुण राठौर निवासी चार शहर का नाका ,आकाश तोमर निवासी चार शहर का नाका से 40 पेटी देशी शराब व अंग्रेजी शराब कीमती दो लाख रुपए ,नगद रुपये व दो कार जब्त की थी ।आरोपी गण ने अवैध शराब का जखीरा सलमान खान उर्फ मुन्नू का शताब्दी पुरम का मकान किराये से लेकर उसके मकान के टैंक में शराब छिपाकर रखी थी ।मकान मालिक सलमान खान को दिनांक 19/4/20 को गिफ्फतार कर जेल भेजा था ।आरोपी गण के 3साथी 1पवन बनियां निवासी न्यू कॉलोनी नंबर, 2 चेतन शिवहरे निवासी न्यू नर सिंह नगर व सौरभ शिवहरे निवासी गणेश कॉलोनी छापा पड़ने पर देखकर रा त का अंधेरा का फायदा उठाकर भाग गए थे जिनमें से फरार आरोपी पवन बनिया को गिरफ्तार किया व फरार आरोपी सौरभ शिवहरे व चेतन शिवहरे की की तलाश जारी है । पवन बनिया पर थाना हजीरा ग्वालियर ,विश्वविद्यालय में कुल 10 अपराध शराब तश्करी ,जुआ ,कालाबाजारी व मारपीट के पंजीबद्व हैं ।

पुलिस थाना हजीरा की टीमः एस आई नरेंद्र छिकारा, ए एस आई रविंन्द्र सिंह कुशवाह , प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान , आरक्षक जनक सिंह अमित सिंह व सतेंद्र सिंह की मुख्य भूमिका रही ।

जयपुर से आये 06 लोगों को कन्या छात्रावास में किया क्वारनटाइन

मेडिकल ऑफिसर डॉ निशांत यादव ने किया सभी का परीक्षण

दबोह(मोहित गोस्वामी)। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मेडिकल ऑफिसर निशांत यादव ने शुक्रवार की रात 06 लोगो को क्वारनटाइन किया है। कवारनटाइन किये गए सभी लोग जयपुर से आये हुए थे जिनमें से जुम्मन पुत्र मुन्ना खान उम्र 21 वार्ड 01 दबोह,अजय पुत्र किशनवीर दौहरे उम्र 20 वर्ष निवासी फरदुआ दबोह,मानसिंह पुत्र घनसोले कुशवाह उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड 08 दबोह,रोशनी पत्नी मानसिंह उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड 08 दबोह,खुसबू पुत्री मानसिंह उम्र 2.5 वर्ष निवासी वार्ड 08 दबोह,नेहा पुत्री मानसिंह उम्र 4.5 वर्ष निवासी वार्ड 08 दबोह को क्वारनटाइन किया गया।यहां बता दें कि नायब तहसीलदार राजेन्द्र मौर्य,राजस्व निरीक्षक मुन्नालाल जमोरिया,मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर की मौजूदगी में सभी लोगो को क्वारनटाइन किया गया।इससे पहले मेडिकल ऑफिसर डॉ.निशांत यादव व स्क्क्कु सद्दीक खान द्वारा सभी का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया उसके बाद उन्हें छात्रावास क्वारनटाइन में रखा गया।

जीडीओ संस्था के द्वारा मास्क वितरण किए गए:स्वप्निल वर्मन

पुष्पांजली टुडे

सतना। जीडियो संस्था के उपाध्यक्ष स्वप्निल वर्मन नागौद के द्वारा मास्क वितरित किया गया।आकाश गुप्ता ने बताया कि जिससे जनता इस करोना जैसी महामारी और इस बीमारी से बच सकें और उनको कोई बीमारी ना हो और ऐसी कोई स्मेल उनके अंदर ना जाए ताकि उनको कोई बीमारी फैल सके इसलिए हम सब ने मास्क वितरित किया और ऐसे लॉक डाउन पर आप अपने घर पर रहें सुरक्षित रहें। दिए गए आदेश के आवाहन का पालन करें इस मास्क वितरित करने में सहयोगी अतिथि योगदान श्री रामावतार बर्मन जी का भी सहयोग सराहनीय रहा एवं मेरा सहयोग दल शेरू तोमर, गोलू शुक्ला, अमित तोमर ,अंकित तोमर, कुमार आदि युवा साथी मौजूद रहे ग्राम पतवारा, गवांग्वारिया एवं नागौद में मास्क वितरित किया गया।

कोरोना वायरस से स्वस्थ्य होकर करहल घर पहुंचे अमित जैन / शुभचिंतकों ने घरो से पुष्प वर्षा कर की जोरदार अगवानी

पुष्पांजली टुडे न्यूज़

जनपद मैनपुरी में एक बार फिर राहत भरा संदेश मिलने से लोगों ने राहत की सांस ली है कोरोना वायरस को हराकर पूरी तरह स्वस्थ होकर अनिल जैन के करहल घर लौटने का समाचार सुनते ही शुभ चिन्तको मे खुशी की लहर देखने को मिली है ,अमित जैन के करहल आगमन पर नगर पंचायत अध्यक्ष.संजीव यादव सहित तमाम शुभ चिन्तको ने छतो एव घरो के दरबाजे पर खडे होकर पुष्प वर्षा की ,पुष्प बर्षा की जोरदार अगबानी से सडक फूल पत्तियो से गुलाबी नजर आयी ,आँखो मे खुशी के आँसू व चेहरे पर मीठी सी मुस्कान लिये अमित जैन ने पुष्प वर्षा के दौरान भगबान महाबीर स्वामी जी की जय के उदघोष किया साथ ही सोशल डिस्टेन्श रख अपने अनुजो से हाथ हिलाकर व अग्रजो के लिये हाथ जोडकर अभिबादन कर अपने घर पहुँचे है अमित जैन के पूरी तरह स्वस्थ्य होने पर करहल नगर पचायत चैयरमैन संजीब यादव सहित तमाम शुभ चिन्तको ने सभी कोरोना योध्दाओ मे चिकित्सको अधिकारियों कर्मचारियों एवं पुलिस जनों का उनके अहम योगदान पर ह्रदय से सभी का आभार जताया है। बताते चलें कि कस्बा करहल निवासी अमित जैन कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे लम्बे समय के उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ्य होकर आज दोपहर सरकारी एम्बूलेन्स से करहल घर पहुँचे है।

कोरोना से जंग जीतकर रसीद खान पहुँचे घर

ग्वालियर। गजराराजा मेडीकल कॉलेज ग्वालियर के सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल के चिकित्सकों, पैरामेडीकल स्टाफ, नर्सेज की लगन, मेहनत एवं सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय में मिली चिकित्सा सेवाओं का परिणाम है कि चिकित्सालय में भर्ती श्योपुर के कोरोना पॉजिटिव मरीज रसीद खान उपचार के उपरांत स्वस्थ होकर अब अपने घर श्योपुर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। रसीद खान ने बताया कि नमूनों की जांच में कोरोना पॉजिटिव आने पर उपचार हेतु उन्हें सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय में भर्ती किया गया। इलाज के बाद नमूनों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आने पर छुट्टी होकर वे अपने घर पर 14 दिन के लिये होम क्वारंटाइन के तहत स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। रसीद खान ने बताया कि ईलाज के दौरान चिकित्सालय के चिकित्सकों, पैरामेडीकल स्टाफ एवं नर्सेज आदि का अच्छा व्यवहार एवं सकारात्मक सहयोग रहा है। चिकित्सालय में मिली बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं एवं सकारात्मक सोच के कारण स्वस्थ होकर वे अपने घर पहुँचे हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना से घबराएं नहीं, बल्कि सावधानी बरतना बहुत जरूरी है। कोरोना से बचने हेतु लोग घरों में ही रहें, लॉकडाउन का पालन करें और अपने चेहरे को मास्क या गमछा से अवश्य ढककर रखें। सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय ग्वालियर के अधीक्षक डॉ. जी एस गुप्ता ने बताया कि श्योपुर के कोरोना मरीज रसीद खान को 7 अप्रैल को सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय में भर्ती किया गया था। इनकी लगातार 3 कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आने तथा वे कोरोना के साथ मधुमेह, हाईब्लडप्रेशर एवं टीबी की बीमारी से भी ग्रसित होने के कारण हाईरिस्क में थे। जिन्हें ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखकर उपचार करते वक्त निरंतर निगरानी रखी गई।

गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री द्वारा जीवन अमृत योजना का शुभारंभ

ग्वालियर। गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज दतिया में आयुर्वेदिक काढ़ा त्रिकटु चूर्ण के पैकेट के वितरण के साथ आयुष विभाग की जीवन अमृत योजना का शुभारंभ किया। गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि जीवन अमृत योजना में आयुष विभाग के सहयोग से मध्य प्रदेश लघु वनोपज संघ ने आयुर्वेदिक काढ़ा के पैकेट्स तैयार किए हैं, जो ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में लोगों को निःशुल्क वितरित किए जा रहे हैं। यह काढ़ा शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता विकसित करता है। जिला आयुष अधिकारी दतिया के मुताबिक प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए शम्शनी बटी एवं त्रिकटु चूर्ण तथा एसर्निक एल्बम 30 के रूप में दतिया जिले में अब तक एक लाख 20 हजार 10 लोगों को आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक दवाएं वितरित की गईं। इनमें 46086 लोगों को आयुर्वेदिक एवं 73924 लोगों को होम्योपैथिक दवाएं वितरित की गईं। दतिया ब्लॉक में 62203 लोगों को, भाण्डेर में 36175 लोगों को तथा सेवढ़ा ब्लॉक में 21632 लोगों को प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली दवाइयां बांटी जा चुकी हैं।

गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री ने नागरिकों को बांटी राहत राशन सामग्री- गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज दतिया शहर के गल्ला मंडी तथा ग्राम जोहरिया एवं ग्राम एरई पहुंचकर ग्रामवासियों से चर्चाकर उनका हालचाल जाना। आपने ग्रामवासियों के हाथ सेनेटाइज किए और जरूरतमंद परिवारों को राहत राशन सामग्री वितरित की। गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री ने घरों पर रहने और लॉकडाउन का पालन करने का नागरिकों से आगृह किया।

राशन की दुकानों पर पीओएस मशीन से खाद्यान्न का वितरण नहीं होगा

ग्वालियर। कोविड-19 के खतरे को दृष्टिगत रखते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाकर वितरण किए जाने के आदेश को स्थगित कर दिया गया है। खाद्यान्न वितरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई शिकायत या समस्या है तो अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह के मोबाइल नम्बर 9174676271 पर अवगत करा सकते है। कलेक्टर ने उक्त संदर्भ में आदेश प्रसारित किए हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने खाद्यान्न वितरण के संबंध में शिकायतों और समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु जिला स्तर पर भी कंट्रोल रूम का गठन किया है। यह कंट्रोल रूम प्रात-8 बजे से रात्रि 8 बजे तक क्रियाशील रहेगा। प्रात-8 से दोपहर 2 बजे तक के लिये कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री पंकज करोलिया मोबा. 8109726499 एवं तकनीकी सहायक श्री राहुल श्रीवास मोबा. 9584237814 तथा अपरान्ह 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक के लिये कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री महावीर राठौर मोबा. 9907705166 तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री अमित गुप्ता मोबा. 8822739997 को तैनात किया गया है।

कोरोना महामारी में भी सरकार की प्राथमिकता रही किसानों और गरीबों की मदद

सभी जरूरतमंदों के बैंक खातों में पहुँचे 6526 करोड़, राज्य सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति और कुशल वित्तीय प्रबंधन से मिली सफलता

ग्वालियर। प्रदेश में किसानों, श्रमिकों, बेसहारा लोगों, गरीबों बुजुर्गों और जरूरतमंदों की मदद करना सदैव मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की प्राथमिकता में रहा है। कोरोना महामारी से लड़ते हुए भी श्री चौहान अपनी यह प्राथमिकता नहीं भूले। पिछले लगभग डेढ़ माह में राज्य सरकार द्वारा 6526 करोड़ रुपये की राशि प्रदेश के इन सभी जरूरतमंदों के खातों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पहुँचाई गई है। मुख्यमंत्री ने इन सभी जरूरतमंदों की योजनाओं के क्रियान्वयन में पिछले एक साल से प्रदेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है, राज्य का खजाना खाली है, जैसी कही जाने वाली बातों को निर्मूल साबित कर दिया है। साथ ही, यह भी प्रमाणित कर दिया है कि किसान और गरीब सरकार की पहली प्राथमिकता हैं और उनकी मदद से कोई बाधा उन्हें रोक नही सकती।

राज्य सरकार ने 15 लाख किसानों को फसल बीमा की 2990 करोड़ रुपये की राशि उनके खातों में ट्रांसफर की है। किसानों की फसल को भी समर्थन मूल्य पर खरीदने की व्यवस्था की गई है। खरीदी शुरू होते ही शुरू के 15 दिन में 5 लाख 65 हजार किसानों से 28 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ खरीदा गया है। इसके लिये किसानों को अब तक लगभग 2000 करोड़ रुपये भुगतान भी कर दिया गया है। लॉकडाउन में सरकार ने संनिर्माण कर्मकार मंडल में पंजीकृत 8 लाख 85 हजार मजदूरों के खाते में प्रारंभ एक-एक हजार रुपये और उसके बाद में फिर से एक-एक हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता ऑनलाइन भेजी है। इस प्रकार, निर्माण कार्यों से जुड़े संनिर्माण कर्मकार मंडल में इन सभी मजदूरों के खाते में 177 करोड़ 30 लाख रूपये की राशि ट्रांसफर कर दी गई है। कोरोना संक्रमण के इस दौर में राज्य के असंगठित क्षेत्र के मजदूर जो प्रदेश से बाहर अन्य राज्यों में कार्य करने के समय लॉकडाउन की घोषणा के बाद वहाँ पर फँस गये हैं। ऐसे सभी 20,000 श्रमिकों के खाते में 1000 रुपये के मान से कुल दो करोड़ रुपये ट्रांसफर किये गये हैं। प्रदेश में अन्य 22 राज्यों के फँसे 7000 प्रवासी श्रमिकों को भी उनकी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये एक हजार रुपये के मान से सहायता राशि पहुँचाई गई है। प्रदेश सरकार द्वारा महामारी की विपत्ति में बेसहारा, बुजुर्गों आदि को दी जाने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन की 562 करोड़ रुपये की राशि 46 लाख हितग्राहियों के खातों में भेजी गई है। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन, विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और निराश्रित पेंशन आदि का अगले दो माह का भुगतान किया गया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की शासकीय प्राथमिक शालाओं में अध्ययनरत 60 लाख 81 हजार बच्चों और माध्यमिक शालाओं में अध्ययनरत 26 लाख 68 हजार बच्चों के अभिभावकों के खाते में मध्यान्ह भोजन योजना के 117 करोड़ और योजना मे कार्यरत 2 लाख 10 हजार रसोइयों के खाते में 42 करोड़ 3 लाख 8 हजार रुपये ट्रांसफर किये गये है। इसी तरह, विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं में 52 लाख छात्र-छात्राओं के खातों में 430 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान भी कर दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा निराश्रित गौ-वंश के लिये 599 गौ-शालाओं में गेहूँ, चना, भूसा की आपूर्ति के लिए 29 करोड़ 85 लाख रूपये दिए गए हैं। सरकार की इस पहल से प्रदेश के 66 हजार गौ-वंश को गौ-शालाओं के माध्यम से पर्याप्त भूसा उपलब्ध हो सकेगा। लॉकडाउन की अवधि में जिलों में आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिये सरकार द्वारा भी राशि उपलब्ध कराई गई है। प्रत्येक जिले को स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 2-2 करोड़ रुपये की राशि इस काम के लिये दी गई है। यह राशि राहत शिविरों और भोजन व्यवस्था आदि के लिये दी गई है। इसके अतिरिक्त, लॉकडाउन में आम आदमी को किसी भी प्रकार की कठिनाई नहीं हो, इसके लिए प्रशासन को आकस्मिक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के लिये प्रत्येक जिले को एक-एक करोड़ रुपये के हिसाब से कुल 156 करोड़ रूपये दिए गए हैं। कोरोना महामारी में लॉकडाउन के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों, निराश्रितों और असहायों के लिये भोजन, आश्रय आदि की व्यवस्था के लिए 70 करोड़ रुपये जारी किये गये हैं। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश की सहरिया, बैगा एवं भारिया अति पिछड़ी जनजातियों के लोगों के बैंक खातों में भी दो माह की अग्रिम सहायता राशि समय पर पहुँचा दी गई हैं। राज्य सरकार हर गरीब व्यक्ति की मदद कर रही है।

न्यूज. ब्रीफ

ओलिंपिक में एयर राइफल शूटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते है तिवारी

नई दिल्ली। टीम इंडिया के बल्लेबाज मनोज तिवारी की मंशा अब ओलिंपिक में खेलने की हैं। बंगाल के मनोज के अनुसार जब उनका क्रिकेट करियर पूरा हो जाएगा तो वह 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में ओलिंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहेंगे। 34 साल के मनोज 2004 से बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और वो 12 वनडे और टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। वे अभी और 10 वर्ष खेलना चाहते हैं, मगर एक बार संन्यास लेने के बाद वो कुछ अलग करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें ओलिंपिक में हिस्सा लेने का मौका मिलता है तो वे 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हालांकि निजी रूप से भी उन्हें जिम्मेदारियां निभानी है। यह आसान नहीं होता, मगर देखते हैं कि कैसे वे अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालते हैं और शूटिंग को समय देते हैं। मनोज ने कहा कि वे बाकी खेलों में खुद को आजमाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वें कुछ ऐसे खेलों में जाना चाहते हैं, जहां शारीरिक फिटनेस के लिए दौड़ने की जरूरत नहीं है। इसीलिए आगे देखते हैं कि क्या होता है। पिछले सीजन मनोज तिवारी उस समय सुर्खियों में आए थे, जब उन्होंने रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 303 रन की पारी खेली थी। उन्होंने कमेंट्री भी की है।

उमर अकमल को मिर्गी की बीमारी, वह खुद के लिए खेलते हैं: नजम सेठी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने खुलासा किया है कि प्रतिबंधित बल्लेबाज उमर अकमल को मिर्गी के दौरे पड़ते हैं, जिसके लिए उन्होंने उपचार लेने से इंकार कर दिया था। उमर पर हाल में पाकिस्तान सुपर लीग से पहले भ्रष्ट लोगों से संपर्क की सूचना नहीं देने के कारण 3 साल का प्रतिबंध लगा है। सेठी ने कहा कि जब वह बोर्ड के अध्यक्ष बने,तब उन्होंने जिस पहली समस्या का सामना किया वह उमर (अकमल) से जुड़ी थी। सेठी ने कहा, हमारे पास मेडिकल रिपोर्ट थी, जिसमें पुष्टि की गई थी उन्हें मिर्गी के दौरे पड़ते हैं और हमने उन्हें वेस्टइंडीज से वापस बुला लिया। जब मैं उनसे मिला तो मैंने कहा कि यह गंभीर समस्या है और उन्हें विश्राम लेकर उचित उपचार कराने की जरूरत है। लेकिन वह यह मानने के लिए तैयार ही नहीं थे। उन्होंने कहा,जो भी हो मैंने उसे दो महीने तक खेलने से रोक दिया लेकिन बाद में हमने चिकित्सा रिपोर्ट चयनकताओं के पास भेज दी और उन पर फैसला छोड़ दिया क्योंकि मुझे उनके काम में हस्तक्षेप करना पसंद नहीं था।'सेठी ने कहा कि उमर बेहद प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं लेकिन वह खुद को टीम से बड़ा समझते हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें अनुशासन में रहना पसंद नहीं है। वह टीम के लिए नहीं खुद के लिए खेलते हैं।

रितेश यादव की सटीक यॉर्कर देख आरपी सिंह हुए अभीभूत, कहा- एकेडमी चले आओ

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें गोरखपुर का एक युवा खिलाड़ी फास्ट बोलिंग प्रैक्टिस के दौरान एक सटीक यॉर्कर फेंक रहा है। इस वीडियो को देखकर टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह से भी अभीभूत हो गए। गोरखपुर के इस युवा खिलाड़ी का नाम है रितेश यादव। आरपी सिंह ने इस युवा खिलाड़ी की तारीफ की है और उसे लगे हाथ लखनऊ और नोएडा में कोचिंग का निमंत्रण भी दे दिया है। क्रिकेट में 22 गज की पिच पर जब तेज गेंदबाज की यॉर्कर गेंद जमीन को चूमती हुई बल्लेबाज को गच्चा देकर स्टंप को बिखेर देती हैं, तो उसे देखने वाले रोमांचित हो जाते हैं। यह बात भला टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह से बेहतर कौन समझ पाएगा। इस वीडियो में यह गेंदबाज जैसे ही अपनी फुल लेंथ यॉर्कर गेंद डालता है। मिडल स्टंप्स की जगह रखे नारियल के परखच्चे बिखर जाते हैं। यहां स्टंप्स की जगह दो जूते और मिडल स्टंप के स्थान पर नारियल रखा है। गेंद नारियल पर जैसे ही नारियल को छूती है बस नारियल अपनी जगह से बिखरकर चूर-चूर हो जाता है।

न्यूजीलैंड में वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ी चुने गए केन विलियमसन

आकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट के वार्षिक पुरस्कारों में कप्तान केन विलियमसन को साल भर में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ी चुना गया है। रोस टेलर को पुरुष टी20 जबकि सोफी डिवाइन को महिला टी20 के लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। सूजी बेट्स महिला वर्ग में वर्ष की सर्वश्रेष्ठ वन डे खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही हैं। कोविड-19 महामारी के कारण पहली बार इन पुरस्कारों को ऑनलाइन दिया गया। विलियमसन ने पिछले साल बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और कप्तान के तौर पर न्यूजीलैंड की टीम को विश्व कप फाइनल में भी पहुंचाया। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व कप में दो शतकों की मदद से 578 रन बनाए और उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा पिछले साल आईसीसी विश्व कप में केन ने बेजोड़ प्रदर्शन किया। वह इस पुरस्कार का हकदार था। अनुभवी टेलर ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में 130 की स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए। बेट्स ने महिला वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में दो अर्धशतक बनाए जबकि डिवाइन ने महिला टी20 में अपना पहला शतक लगाया और 71 के औसत से 429 रन बनाए।

महामारी के बावजूद फुटबाल की वापसी चाहते हैं ब्राजील के राष्ट्रपति बोलसोनारो

साओ पाउलो। ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो देश में कोरोना वायरस के कई मामलों के बावजूद फुटबाल प्रतियोगिता शुरू करने के इच्छुक हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस के कारण उनके कोरोना से संक्रमित होकर मरने की संभावना बहुत कम है। बोलसोनारो अब भी दुनिया के उन कुछेक नेताओं में शामिल हैं जो कोरोना वायरस के जोखिम को बहुत अधिक मानकर नहीं चल रहे हैं और इसे एक ह्यफ्लूह्न के रूप में देख रहे हैं। ब्राजील में 15 मार्च से ही सभी फुटबाल टूर्नामेंट निलंबित हैं। ब्राजीली चैंपियनशिप मई में शुरू होनी थी लेकिन इसकी संभावना कम लगती है क्योंकि लातिन अमेरिकी देशों में ब्राजील कोरोना वायरस से सर्वाधिक प्रभावित है। ब्राजील में इस वायरस से अब तक 5900 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बोलसोनारो ने एक साक्षात्कार में कहा है कि फुटबाल से जुड़े बहुत से लोग इस खेल की वापसी चाहते हैं क्योंकि क्लबों पर भी बेरोजगारी खतरा मंडराने लगा है।

टीम इंडिया की रेटिंग 114 है, वह ऑस्ट्रेलिया से 2 और न्यूजीलैंड से सिर्फ 1 पॉइंट पीछे है

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: भारतीय टीम ने 3 साल में पहली बार गंवाया नंबर वन का स्थान, तीसरे स्थान पर फिसली

- भारतीय टीम अक्टूबर 2016 से लगातार आईसीसी वर्ल्ड रैंकिंग में नंबर-1 बनी हुई थी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईसीसी ने ताजा वर्ल्ड रैंकिंग जारी की है। भारतीय टीम ने अक्टूबर 2016 के बाद पहली बार टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 का स्थान गंवाया है। टीम अब 114 रेटिंग के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। भारत अब ऑस्ट्रेलिया से 2 और न्यूजीलैंड से 1 पॉइंट पीछे है। हालांकि, भारतीय टीम आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप में अब भी 360 पॉइंट के साथ शीर्ष पर बरकरार है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 में भी पहले स्थान पर कब्जा जमा लिया है। भारतीय टीम यहां भी पहले से तीसरे स्थान पर आ गई। भारतीय टीम ने 2016-17 में रिकॉर्ड 12 टेस्ट में जीत दर्ज की थी और सिर्फ एक मुकाबला हारा था। विराट कोहली की कप्तानी में टीम ने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ सभी 5 टेस्ट सीरीज जीती थीं। इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका और भारत से सीरीज गंवाई थी। आईसीसी ने नए चार्ट में 2016-17 के रिकॉर्ड हटा दिए हैं, इस कारण रैंकिंग में ज्यादा बदलाव देखने को मिले। मई 2019 से अब तक के सभी 100 प्रतिशत और पिछले 2 साल के आधे टेस्ट को काउंट किया है।

नंबर	देश	रेटिंग	नंबर	देश	रेटिंग
1	ऑस्ट्रेलिया	278	6	न्यूजीलैंड	242
2	इंग्लैंड	268	7	श्रीलंका	230
3	भारत	266	8	बांग्लादेश	229
4	पाकिस्तान	260	9	वेस्टइंडीज	229
5	द. अफ्रीका	258	10	अफगानिस्तान	228

टेस्ट चैम्पियनशिप में भारत नंबर-1

आईसीसी की टेस्ट चैम्पियनशिप में भारतीय टीम 360 पॉइंट के साथ टॉप पर काबिज है। इस चैम्पियनशिप में भारत ने अब तक 9 में से 7 मुकाबले जीते हैं। जबकि 2 में टीम को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 296 अंक के साथ दूसरे नंबर पर है। इस चैम्पियनशिप में 9 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें सभी टीमें छह टेस्ट सीरीज खेलेंगी और इसके बाद प्वॉइंट टेबल के आधार पर टॉप-2 टीमों के बीच लॉर्ड्स के मैदान पर फाइनल टेस्ट मैच खेला जाएगा।

वनडे में भारतीय टीम दूसरे और इंग्लैंड टॉप पर

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट और टी-20 रैंकिंग में भी टॉप पर पहुंच गई है। यह पहला मौका है, जब ऑस्ट्रेलिया टी-20 रैंकिंग में टॉप पर पहुंची है, जबकि इंग्लैंड टीम वनडे में 127 पॉइंट के साथ टॉप पर बनी हुई है। वहीं, भारतीय वनडे टीम 119 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया टीम एकदिवसीय रैंकिंग में 5वें नबंर पर है। टीम के 107 अंक हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने लगाई गेंद चमकाने के लिए पसीने या लार के इस्तेमाल पर रोक, एक हफ्ते बाद प्रैक्टिस शुरू होगी

ऑस्ट्रेलिया में कोरोनावायरस का असर कम होने के बाद जब क्रिकेट दोबारा शुरू होगा तो गेंद को चमकाने के लिए लार या पसीने का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने खेलों की वापसी को लेकर जो खाका तैयार किया था, उसमें यह सुझाव शामिल है। क्रिकेट वेबसाइट ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पोर्ट (एआईएस) ने मेडिकल एक्सपर्ट, खेल संगठनों के अलावा राज्य सरकारों से चर्चा के बाद यह गाइडलाइन जारी की। इसमें गेंद को चमकाने के लिए पसीने और लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की बात कही गई है।

इधर, ऑस्ट्रेलिया सरकार ने देश में खेलों की वापसी को लेकर जो खाका तैयार किया है। उसमें तीन चरणों (ए, बी और सी) में वापसी का जिक्र किया है। फिलहाल, कोरोना की वजह से खेलों पर जो रोक लगाई गई है, वह 'ए' स्तर की है। इसमें व्यक्तिगत प्रैक्टिस करने के अलावा हर तरह की ट्रेनिंग पर प्रतिबंध है। एक हफ्ते बाद इसमें ढिलाई दी जाएगी और इसे 'बी' स्तर का कर दिया जाएगा। इसमें बल्लेबाज नेट्स पर प्रैक्टिस कर सकेंगे। लेकिन गेंदबाजों की संख्या सीमित ही रहेगी। हालांकि, फील्डिंग को लेकर किसी तरह की पाबंदी नहीं रहेगी। लेकिन खिलाड़ियों के आपस में सम्पर्क को नियंत्रित ही रखा जाएगा। इस दौरान गेंद पर लार या पसीने के इस्तेमाल पर रोक जारी रहेगी। तीसरे और आखिरी चरण में प्रैक्टिस की पूरी तरह छूट होगी, लेकिन इसमें भी गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल की इजाजत नहीं होगी। इसके अलावा, पिछले 14 दिन में अगर कोई खिलाड़ी की तबियत खराब रही हो या वह किसी कोरोना संदिग्ध के सम्पर्क में भी आया हो तो उसे भी मैदान पर आने की इजाजत नहीं होगी।

वॉर्नर ने लार के इस्तेमाल को रोकने का विरोध किया

एक दिन पहले ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल को नहीं रोके जाने की वकालत की थी। उन्होंने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा था कि आप ड्रेसिंग रूम और अन्य चीजें शेयर कर रहे हैं, जो ज्यादा खतरनाक है। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि इसे (लार के इस्तेमाल) बदलने की जरूरत है। सालों से ऐसा ही हो रहा है। मुझे याद भी नहीं है कि इससे कोई बीमार हुआ हो। संक्रमण फैलाने के लिए एक यही चीज जरूरी नहीं है। वहीं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज शॉन टेट के विचार वॉर्नर के बिल्कुल उलट हैं। उन्होंने कहा था कि लार का इस्तेमाल अब पुरानी बात हो गई है। ऐसे में हमें नए बदलावों को स्वीकार करना चाहिए।

सर्वे: 60 फीसदी फैन्स का अब भी मानना इस साल लीग होगी, 13 फीसदी का कहना है खाली स्टेडियम में मैच हों

- ई-स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म माय टीम11 ने 10 हजार से ज्यादा लोगों पर सर्वे किया था, इसमें यह जानकारी सामने आई
- सर्वे में शामिल 83 फीसदी लोगों का मानना कि 2020 के अंत तक खेल गतिविधियां दोबारा शुरू हो सकती हैं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोनावायरस की वजह से इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन को अनिश्चितकाल के लिए टाल दिया गया है। इस बीच, ई-स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म माय टीम11 ने इसे लेकर एक सर्वे कराया था। इसमें शामिल 60 फीसदी फैन्स ने इस साल आईपीएल होने की उम्मीद जताई है, जबकि 13 फीसदी का कहना है कि लीग के मैच जून-जुलाई के विंडो में खाली स्टेडियम में कराए जाएं। यह सर्वे 10 हजार लोगों पर किया गया। इस सर्वे में हिस्सा लेने वाले 83 फीसदी लोगों का मानना था कि 2020 के अंत तक खेल गतिविधियां दोबारा शुरू हो सकते हैं जबकि करीब 40 फीसदी लोगों ने कहा कि वे 2021 से पहले खेल प्रतियोगिताओं को देखने जाने के लिए सहज महसूस नहीं करेंगे। ऐसे में लंबे वक्त तक स्टेडियम खाली ही रहेंगे। सर्वे के मुताबिक, 63 फीसदी लोग जल्द ही खेलों के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं जबकि 20 फीसदी लोगों को खेल गतिविधियों के शुरू होने अगर तीन से चार महीने की देरी भी होती है तो उससे कोई परेशानी नहीं।

बीसीसीआई ने पिछले महीने 16 अप्रैल को लॉकडाउन की मियाद 3 मई तक बढ़ने के बाद आईपीएल को अगले आदेश तक के लिए टाल दिया था। हालांकि, तब बोर्ड ने इसके शेड्यूल के बारे में नहीं बताया था।

नीलामी में 140.3 करोड़ रुपए में 62 खिलाड़ी खरीदे गए

इस बार आईपीएल नीलामी में 62 खिलाड़ी बिके, जिनमें 33 भारतीय और 29 विदेशी हैं। फ्रेंचाइजियों ने इन खिलाड़ियों को खरीदने में 140.3 करोड़ रुपए खर्च किए थे। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने थे। उन्हें कोलकाता ने 15.5 करोड़ रुपए में खरीदा था।

आईपीएल का फॉर्मेट छोटा हो सकता है

इस बार आईपीएल 50 दिन की बजाए 44 दिन का होना था। सभी 8 टीमों को 9 शहरों में 14-14 मैच खेलने थे। इनके अलावा 2 सेमीफाइनल, 1 नॉकआउट और 24 मई को वानखेड़े में फाइनल होना था, लेकिन अब जब भी यह टूर्नामेंट होगा तो बोर्ड इसके फॉर्मेट को छोटा करके 37 दिन का कर सकता है। 2009 में भी लोकसभा चुनाव के कारण इतने दिन में ही आईपीएल हुआ था। तब दक्षिण अफ्रीका में मुकाबले हुए थे।

दिसंबर से पहले आईपीएल होना मुमकिन नहीं

मौजूदा हालात और इंटरनेशनल शेड्यूल के चलते इसका दिसंबर के पहले होना मुश्किल लग रहा। जून से सितंबर तक मॉनसून सीजन रहता है। इस दौरान भारत को श्रीलंका और जिम्बाब्वे में सीरीज भी खेलनी है। अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। इसके बाद अन्य टीमों की आपसी सीरीज का कैलेंडर भी तय रहता है। इस शेड्यूल के बीच ही बीसीसीआई को आईपीएल के लिए खाली तारीखें तलाशनी होंगी। ऐसा होता है तो भी दिसंबर के पहले आईपीएल होना संभव नहीं लग रहा है। पहले यह टूर्नामेंट 29 मार्च से शुरू होना था, लेकिन कोरोना और वीजा प्रतिबंध के कारण 15 अप्रैल तक के लिए इसे टाल दिया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई कोच लैंगर बोले- हमारा एक ही लक्ष्य, टीम इंडिया को उसके घर में हराना

सिडनी ■ एजेंसी

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन टीम बनने के बाद ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य टीम इंडिया को उसके घर में हराना है। यह बात ऑस्ट्रेलियाई कोच जस्टिन लैंगर ने शुक्रवार को मेलबर्न में कही। साउथ अफ्रीका में बॉल टैम्परिंग स्कैंडल के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम को काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर जैसे बेहतरीन प्लेयर्स को बाहर होना पड़ा था। हालांकि, इसी दौर में लबुशाने जैसे बेहतरीन बल्लेबाज को टीम में जगह मिली। ऑस्ट्रलेलियाई टीम भले ही टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन हो गई हो लेकिन लैंगर जानते हैं कि शीर्ष पर बना रहना आसान नहीं है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की वेबसाइट से बातचीत में उन्होंने कहा, ह्नहम जानते हैं कि इस रैंकिंग को मेंटेन करना आसान नहीं है। लेकिन, फिलहाल तो खुशी है कि हम टॉपर हैं। यहां बने रहने के लिए काफी मेहनत करनी होगी। ये साबित करना होगा कि ऑस्ट्रेलिया नंबर एक बने रहने के लायक है।

कपिल देव के आस-पास भी नहीं पंड्या, बुमराह वर्ल्ड क्लास गेंदबाज बनने की राह पर: रज्जाक

कराची ■ एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर अब्दुल रज्जाक ने कहा कि हार्दिक पंड्या की पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव से तुलना करना जल्दबाजी होगी। रज्जाक के मुताबिक, कपिल देव और इमरान खान क्रिकेट इतिहास के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर हैं। पंड्या इनके आस-पास भी नहीं है। मैं भी ऑलराउंडर था, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि मैं इमरान भाई से तुलना करने लगूं। कपिल पाजी और इमरान भाई अलग लीग में थे। पंड्या को वर्ल्ड क्लास क्रिकेटर बनने के लिए अभी काफी मेहनत करने की जरूरत है। पाकिस्तान के इस पूर्व ऑलराउंडर ने न्यूज एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा कि पंड्या अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन वे और बेहतर ऑलराउंडर बन सकते हैं। यह सिर्फ मेहनत से होगा। जब आप खेल को ज्यादा वक्त नहीं देते हैं, तो इसका आपकी काबिलियत पर असर पड़ता है। पंड्या को शारीरिक और मानसिक रूप से और मजबूत बनना होगा। आप देख सकते हैं कि वे लगातार चोटिल हो रहे हैं। पिछले साल ही उन्हें बैक सर्जरी करानी पड़ी। जब आप ज्यादा पैसा कमाने लगते हैं तो खेल को लेकर थोड़ा रिलेक्स हो जाते हैं।

बुमराह वाले बयान को गलत समझा गया

रज्जाक ने पिछले साल जसप्रीत बुमराह को लेकर दिए बयान पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि बुमराह से मेरी कोई व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है। मैं उनकी तुलना ग्लेन मैक्ग्रा, वसीम अकरम, शोएब अख्तर जैसे गेंदबाजों से कर रहा था। क्योंकि इनका सामना करना बल्लेबाजों के लिए ज्यादा मुश्किल था। लेकिन मेरे बयान को गलत समझा गया। मुझे लगता है कि बुमराह वर्ल्ड क्लास गेंदबाज बनने की राह पर हैं। लेकिन हमारे वक्त गेंदबाज आज के मुकाबले ज्यादा बेहतर थे। दरअसल, पाकिस्तान के इस पूर्व ऑलराउंडर ने दूसरे गेंदबाजों की तुलना में बुमराह को 'बेबी बॉलर' कहा था।

अर्थव्यवस्था ▶ 75.8 फीसदी के साथ बेरोजगारी के मामले में पुद्दुचेरी टॉप पर, पंजाब में बेरोजगारी दर सबसे कम 2.9 फीसदी रही

अप्रैल महीने में देश में बेरोजगारी दर 23.5 फीसदी पर पहुंची, 1 महीने में 14.8 फीसदी की तेज बढ़ोतरी, शहरी क्षेत्र में इजाफा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना के कारण लागू लॉकडाउन के बीच सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) ने देश में बेरोजगारी पर सर्वे रिपोर्ट जारी की है। इस सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2020 में देश में बेरोजगारी दर बढ़कर 23.5 फीसदी पर पहुंच गई है। अकेले अप्रैल महीने में बेरोजगारी दर में 14.8 फीसदी का इजाफा हुआ है। पिछले महीने के मुकाबले अप्रैल में बेरोजगारी दर में तेज बढ़ोतरी हुई है। सीएमआईई सर्वे के मुताबिक बेरोजगारी के मामले में देशभर के राज्यों में पुद्दुचेरी टॉप पर है। यहां बेरोजगारी दर में 74.6 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और यह 75.8% फीसदी पर पहुंच गई है। इसी प्रकार से 49.8 फीसदी के साथ तमिलनाडु दूसरे और 47.1 फीसदी के साथ झारखंड तीसरे नंबर पर रहा है। सबसे कम बेरोजगारी की बात करें तो इस सूची में 2.9 फीसदी के साथ पंजाब टॉप पर है। इसके बाद 3.4 फीसदी के साथ छत्तीसगढ़ और 6.2 फीसदी के साथ तेलंगाना का नंबर आता है। सीएमआईई के सर्वे के मुताबिक तमिलनाडु में मार्च के मुकाबले बेरोजगारी दर में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है। यहां मार्च महीने में बेरोजगारी दर 6.3 फीसदी थी जो अप्रैल में बढ़कर 49.8 फीसदी पर पहुंच गई है। यदि एक साल की अवधि की बात करें तो इस राज्य में बेरोजगारी दर मई 2019 की 0.9 फीसदी से बढ़कर अप्रैल 2020 में 49.8 फीसदी हो गई है। यानी यहां एक साल में बेरोजगारी दर में करीब 49 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। सीएमआईई के सर्वे के मुताबिक अप्रैल 2020 में शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 24.95 फीसदी रही है, जो ग्रामीण क्षेत्र से ज्यादा है। इस अवधि में ग्रामीण क्षेत्र में बेरोजगारी दर 22.89 फीसदी रही है। यदि मार्च से तुलना की जाए तो अप्रैल में शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी दर 15.6 फीसदी और ग्रामीण क्षेत्र में 14.44 फीसदी ज्यादा रही है।

लॉकडाउन के बावजूद सेवाओं और वियरेबल्स की भारी बिक्री ने एपल को डूबने से बचा लिया

नई दिल्ली। चालू कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में दिग्गज टेक कंपनी एपल ने मामूली विकास दर्ज किया है। दुनियाभर में कोरोनावायरस के कारण जारी लॉकडाउन के बीच जहां चीन में एपल के डिवाइसेज की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई, वहीं इस दौरान एपल की सेवाओं की मांग में बढ़ोतरी दर्ज की गई। एपल के प्रमुख टिम कुक ने कहा कि हमें फक्र है कि मार्च तिमाही में एपल ने विकास दर्ज किया है। सेवा खंड में अब तक का रिकॉर्ड विकास हासिल हुआ है और वियरेबल्स खंड में तिमाही रिकॉर्ड हासिल हुआ है। लॉकडाउन से जुड़ी अनिश्चतता को देखते हुए कंपनी ने आगामी तिमाही के लिए कोई अनुमान नहीं दिया। कोरोनावायरस और उसके असर के बारे में टिम कुक ने कहा कि हम निश्चित तौर पर नहीं बता सकते कि हमें किस-किस पड़ाव से गुजरना होगा, पर इतना कह सकते हैं कि अंत में सबकुछ ठीक हो जाएगा। कंपनी ने कहा कि 28 मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 6.2 फीसदी उछलकर 33.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले की समान छमाही में 25.9 अरब डॉलर था।

अपने सदस्यों को वस्तुओं की आपूर्ति में वालमार्ट इंडिया निभा रही है अहम भूमिका

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन के इस दौर में वालमार्ट इंडिया समाज के हित में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। कंपनी के सदस्यों में मुख्यतः किराना स्टोर चलाने वाले कारोबारी हैं जो बैस्ट प्राइस कैश एंड कैरी स्टोर्स से खरीददारी करते हैं और वालमार्ट अपने इन सभी सदस्यों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। भोपाल स्थित बैस्ट प्राइस स्टोर में काम कर रहे ऐसोसिएट्स अथक प्रयास कर रहे हैं ताकि रोजाना प्राप्त हो रहे सैंकड़ों ई-कॉमर्स ऑर्डरों की डिलिवरी सुनिश्चित की जा सके। वालमार्ट इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, ऑनलाइन ऑर्डरों को पूरा करने के लिए हमने अपनी क्षमता बढ़ाई है, इससे यह सुनिश्चित होगा कि हमारे सदस्यों को स्टोर में नहीं आना पड़ेगा और वे घर बैठे ही ऑर्डर दे सकेंगे। इस तरह हमें सोशल डिस्टेंसिंग द्वारा कोरोनावायरस से लड़ने में मदद मिलेगी। बैस्ट प्राइस स्टोर-भोपाल ने हाल ही में सीआरपीएफ का एक बहुत बड़ा ऑर्डर पूरा किया है जिसमें तेल, चावल, घी, चीनी, दालें, फल व सब्जियां शामिल थीं। वालमार्ट इंडिया ने अपने साथ अतिरिक्त डिलिवरी पार्टनरों को जोड़ा है ताकि ज्यादा मात्रा में सामान की डिलिवरी की जा सके। हमारी डिलिवरी टीम पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट से लैस है जैसे मास्क, हैंड सैनिटाइजर व दस्ताने तथा लोडिंग से पहले डिलिवरी वाहनों को डिसइनफेक्ट किया जाता है। इस कठिन समय में अपने सदस्यों और समुदाय की सेवा के लिए हम समर्पित हैं, प्रवक्ता ने कहा।

थाना बिजौली पुलिस ने थाना क्षेत्र में फायरिंग करने वाले

बदमाशों को 24 घण्टे के भीतर किया गिरफ्तार

वंटी गुर्जर रिपोर्टर

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर नवनीत भसीन(भापुसे) द्वारा के ''कोरोना वायरसमहामारी'' के दौरान अपराध घटित करने वाले आरोपियों एवं बदमाषों की धरपकड़ हेतु ग्वालियर पुलिस समस्त राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को मुखबिर तंत्र विकसित कर ऐसे आरोपियों एवं बदमाषों कीशीघ्र गिरफ्तारीकरने हेतु आदेषित किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा जारी निर्देषों के परिपालन मे कार्य करते हुए थाना प्रभारी बिजौली निरी. वीरसिंह ठाकुर को 01.05.2020 को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि गत दिवस थाना बिजौली क्षेत्र दो पक्षों के बीच हुई मारपीट व फायरिंग की घटना के फरार आरोपियों को ग्राम बिजौली के खेतों के आस-पास देखा गया है। उक्त सूचना पर से तत्काल थाना प्रभारी बिजाली ने थाना बल की टीम बनाकर मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर 03 लोगों को धरदबोचा। पुलिस द्वारा पूछताछ करने उन्होने अपने नाम 1. महेन्द्र पुत्र भारत जाटव, उम्र 27 साल,2. दीपू उर्फदीपक

पुत्र बीरू जाटव, उम्र 18 साल,3. बीरू पुत्र भारत जाटव उम्र 38 निवासीगण ग्राम बिजौलीजिला ग्वालियरबताये। उक्त बदमाषों की तलाषी लेने पर उनके कब्जे से 01-12 बोर रायफल मय 01 जिंदा राउण्ड, 01-315 बोर का देषी कट्टा मय जिंदा राउण्ड, तीन लोहे के सरिया एवं डण्डा बरामद किये गये। गिरफ्तार बदमाषों ने पूछताछ मे यह भी बताया कि उनकी पूर्व से दयाराम खटीक से रंजिष चल रही है जिस कारण से यह गोली कांड हुआ है और दयाराम खटीक द्वारा भी अपने साथियों के साथ मिलकर उनके उपर फायरिंग की गई थी पुलिस के डर वे लोग घटना स्थल से फरार हो गये। गिरफ्तार बदमाषों के विरूद्ध थाना बिजौली मे मारपीट व हत्या के प्रयास का प्रकरण पंजीवद्ध था। ज्ञात हो कि दिनांक 30.04.2020 को डॉयल-100 पर सूचना मिली थी कि ग्राम बिजौली में दो पक्षों में मारपीट व फायरिंग हो रही है। उक्त सूचना पर डॉयल-100 तत्काल मौके पर पहुंचकर देखा तोवहांदयाराम खटीक, पुरूषोत्तम खटीक, मनीष खटीकउपस्थितमिलेजिन्हें डॉयल-100 ने थाने पर लाकर उक्त फरार बदमाषों के खिलाफ मारपीट व हत्या के प्रयास का प्रकरण पंजीवद्ध किया। बदमाषों की गिरफ्तारी होने पर घटना की सही जानकारी मिली जिससे फरियादी दयाराम खटीक, पुरूषोत्तम खटीक, मनीष खटीक के विरूद्ध भी मारपीट व हत्या के प्रयास का प्रकरण पंजीवद्ध कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय पेष किया जायेगा। सराहनीय भूमिकाः उक्त बदमाषों को गिरफ्तार करने मे थाना प्रभारी बिजौली निरी. वीरसिंह ठाकुर, उनि. सुरजीत सिह परमार, रामकुमार पाठक, सउनि अजयपाल यादव, आर. जसवीर गुर्जर, रूस्तम, रामप्रीत, धर्मेन्द्र, संजीव, होतम, सैनिक हबीब की सराहनीय भूमिका रही।

चेम्बर का प्रतिनिधिमण्डल मिला निगमायुक्त से

सम्पत्ति कर में किसी भी प्रकार का बदलाव न करने की मांग की

ग्वालियर। कॉमर्शियल संपत्ति पर संपत्ति कर बढाए जाने की खबरों को लेकर म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री के प्रतिनिधिमण्डल ने आज निगमायुक्त श्री संदीप माकिन से मुलाकात की7 चेम्बर के प्रतिनिधिमण्डल में चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल शामिल हुये। चेम्बर के प्रतिनिधिमण्डल ने निगमायुक्त श्री संदीप माकिन को बताया कि कोविद-19 के चलते पूरी दुनिया में इस महामारी से हाहाकार मचा हुआ है7 हमारे देश, प्रदेश एवं शहर में भी इस महामारी के चलते विगत 22 मार्च से व्यापारिक एवं औद्योगिक गतिविधियां ठप्प पड़ी हुई हैं7 शहर के नागरिकों को अपनी आजीविका चलाने में भी बड़ी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा ह। इस महामारी से स्थिति सामान्य होने में ही 3 से 6 माह लग जायेंगे। जबकि व्यापार एवं उद्योग को इससे उबरने में एक से दो वर्ष का समय लगने की संभावना है।

चेम्बर के प्रतिनिधिमण्डल ने निगमायुक्त श्री माकिन को बताया कि समाचार पत्रों में ऐसी खबरें प्रकाशित हुई थीं कि नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के मुख्य बाजार व 1300 से ज्यादा आवासीय कॉलोनियों के मुख्य मार्गों सहित हाईवे तक जाने वाले मुख्य मार्गों की संपत्तियों को परिक्षेत्र एक, दो, तीन व चार से निकालकर परिक्षेत्र पांच में पहुंचा दिया है7 इसके बाद मुख्य मार्गों पर स्थित कॉमर्शियल संपत्ति का संपत्तिकर 25 से बढकर 62 रूपये प्रतिफुट लगना तय हो गया है। प्रतिनिधिमण्डल ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी के कठिन दौर में इस प्रकार का निर्णय यदि नगर निगम द्वारा लिया जाना प्रस्तावित है तो यह शहर की जनता के साथ असंवेदनशीलता होगी। इस कठिन समय के दौरान ऐसे निर्णय लिया जाना पूर्णतः अनुचित है। इस अवसर पर चेम्बर प्रतिनिधिमण्डल द्वारा मौजूदा सम्पत्ति कर की दरों को कम किये जाने की भी मांग की। निगमायुक्त श्री संदीप माकिन ने चेम्बर के प्रतिनिधिमण्डल को ठोस आश्वासन देते हुए कहा कि ऐसे आपदाकाल में कोई भी अप्रिय निर्णय नगर निगम ग्वालियर द्वारा नहीं लिया जायेगा। निगमायुक्त श्री माकिन ने इस अवसर पर चेम्बर द्वारा जरूरतमदों की मदद के लिए चलाये जा रहे अभियान की सराहना भी की।

रोट्रेक्ट रीगल का फिटनेस वेबिनार संपन्न

अमित शर्मा रिपोर्टर

ग्वालियर। रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ग्वालियर रीगल द्वारा क्लब सदस्यों द्वारा फिटनेस वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें वक्ता के रूप फिटनेस ट्रेनर और मि.एम.पी. विक्रम वलेचा ने सदस्यों लॉकडाउन के समय मैं फिट रहने के लिए सुझाव दिये तथा प्रश्नों के जवाब दिये जानकारी देते हुये वक्ता ने कहा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाया जा रहा फिट इंडिया मूवमेंट सराहनीय है स्वास्थ्य को ही सबसे बड़ा धन समझना चाहिए क्योंकि स्वस्थ समाज ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण कर सकता है ट्रेनर विक्रम ने यहां मॉडलिंग और बोडीबिल्डिंग से संबंधित जरूरी जानकारी भी सदस्यों को दी संचालन क्लब सदस्य सत्यम गर्ग ने तथा आभार क्लब अध्यक्ष आकाश बरूआ ने किया इस मौके पर रोट्रेक्ट के डी.आर.आर.कौशल साहू, सचिव पवित्र तिवारी, शिवम शिवहरे, आयुषी अग्रवाल, प्रीति भट्ट, योगिता अग्रवाल, गजेंद्र, मोनिका, हनी, किशन आदि सभी सदस्य मौजूद रहे।

मंत्री श्री सिलावट ने की श्रमिकों को वापस लाने की व्यवस्थाओं की समीक्षा

भिण्ड जल-संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने विभिन्न राज्यों में फँसे मध्यप्रदेश के श्रमिकों को वापस लाने की आवश्यक व्यवस्थाओं की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंत्रालय में समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि अपने प्रदेश वापस लौटे श्रमिकों के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएं। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।बैठक में बताया गया कि अब तक प्रदेश में लौटे 40 हजार से अधिक श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनके खाने-पीने के पुख्ता इंतजाम किये गये और बसों से गृह जिलों को रवाना किया गया। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि मजदूरों की वापसी और उनकी सहूलियतों के सिलसिले में संबंधित राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों से सतत सम्पर्क रखा जा रहा है।

26 दिनों से लगातार भोजन वितरण की मुहिम चलाई जा रही है

ग्वालियर। मां अंबे संस्था के द्वारा 26 दिनों से लगातार भोजन वितरण की मुहिम चलाई जा रही है जिसमें दाल चावल सब्जी पूरी सूखा राशन वितरण किया जाता है जानवरों को भी खाना खिलाया जाता है कोई भूखा ना रहे कोई भूखा ना सोए इसलिए संस्था संस्थापक सूरज राठौर के द्वारा ग्वालियर मुरैना दिल्ली हर जरूरतमंद इलाकों में हर जरूरतमंद लोगों तक खाना पहुंचाने की मुहिम को चलाया जा रहा है इस मुहिम में बहुत सारे लोग हमें सपोर्ट कर रहे हैं जिसमें सोनू श्रीवास जीतेंद्र सिंह राठौर धर्मेंद्र सिंह राठौर वीरेंद्र कुशवाह सत्येंद्र राठौर सुनील राठौर राम लखन कुशवाह नीतू राठोर संध्या प्रजापति सुनील कुशवाहा आर एस राठौर रिंकू श्रीवास राजेश राठौर पुष्पा कुशवाह सुरेंद्र राठौर सरिता गोयल कमलेश राठौर अंजू कुशवाह अफरोज खान राजकुमार राठौर सब इंस्पेक्टर प्रेम सिंह राठौर मनीष गुप्ता सचिन राठौर नेहा पंजाबी अंकित राठौर मुकेश साहू दीपक शर्मा कमलेश राठौर श्वेता पांडे काजल राजपूत राहुल राठौड़ अंजू सेन रविंद्र राठौर पूनम धाकड़ शिवानी साहू मनीष राजपूत रितिका सिंगर रितिका पिगोरिया अंशिका जादौन शालिनी प्रजापति पूनम कुशवाहा वंशिका अग्रवाल रागिनी परमार रितु यादव नीलम अहिरवार संजना छारी शिवानी पटेल रागिनी नेवल रुचि गौतम हर्षिता गुर्जर सीताराम राठौर रविंद्र राठौर खुशबू चौहान अंजू सेन भावना बघेल आरती राठौर बहुत सारी छात्राएं जरूरतमंद लोगों तक खाना पहुंचा रही है आप सभी इसमें अपना सहयोग करें।

दबोह नगर के नाले नालियों कराई सफाई, अस्पताल को किया सेनेटाइज

दबोह(अर्पित गुप्ता)। कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी एन आर खेंगर के द्वारा दबोह की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखते हुए सफाई अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत शनिवार को नगर के मुख्य नालो की सफाई की गई व सार्वजनिक स्थानों को सेनेटाइज किया गया।तेजी से फैल रहे संक्रमण को देखते हुये नप द्वारा पुनः पेट्रोल पम्प,अस्पताल को सेनेटाइज किया गया।जिसमे विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर मुख्य मार्ग के नाले नालियो की साफ सफाई का कार्य जेसीबी मशीन व सफाई कर्मचारियों द्वारा कराया जा रहा है। साथ ही निकाय की कोविड-19 बचाव टीम व सफाई दरोगा द्वारिका के द्वारा नगर के क्वॉरेंटाइन सेन्टर छात्रावासो मे एवं नगर की वार्डो मे हाइपोक्लोराइट सेनिटाइजर सोलुशन का सप्रेयर मशीनो से सप्रे कर सेनिटाईज कराया जा रहा है।

मुरैना जिले में स्थित औद्योगिक इकाईयों के संचालकों को मुरैना जिले में प्रवेश की अनुमति दी जाये : चेम्बर

ग्वालियर। मुरैना जिले में स्थित औद्योगिक इकाईयों के संचालकों को मुरैना जिले में प्रवेश की अनुमति दिए जाने के संबंध में म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा जिलाधीश मुरैना को पत्र प्रेषित किया गया है। चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि कोरोना महामारी के चलते 22 मार्च से जारी लॉकडाउन के चलते औद्योगिक इकाईयां बंद थीं। अब जबकि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा उन्हें खोले जाने की अनुमति प्रदान की गई है तो मुरैना जिला प्रशासन द्वारा मुरैना जिले में स्थित इकाईयों के संचालक जो कि ग्वालियर जिले में निवासरत हैं और वे अपनी इकाई को खोले जाने के लिए ग्वालियर से मुरैना जिले में परिवहन की अनुमति मांग रहे हैं तो उन्हें अनुमति नहीं दी जा रही है। चेम्बर ने पत्र में उल्लेख किया है कि मुरैना जिला प्रशासन के इस रवैये के चलते कई औद्योगिक इकाईयां मुरैना जिले में कार्य प्रारंभ नहीं कर पा रही हैं जिससे इकाई संचालकों को मानसिक पीड़ा के साथ ही आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन 17 मई तक बढा दिया गया है और यदि इस अवधि में इकाई संचालकों को अपनी इकाई खोलने के लिए मुरैना जिले में आने की अनुमति नहीं दी गई तो वह अपनी इकाई प्रारंभ नहीं कर पायेंगे जिससे न केवल इकाई संचालकों का आर्थिक नुकसान बढेगा बल्कि उक्त इकाईयों में कार्यरत श्रमिकों की आजीविका पर भी संकट उत्पन्न हो जायेगा।

डॉ. सिकरवार ने वार्ड 26, 27 एवं 28 में खाध्य सामग्री का वितरण किया

कृतिका राठौर

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से आज करीब 3300 गरीब परिवारों को न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री का वितरण किया। यह वितरण नगर निगम के वार्ड क्रमांक 26, 27 एवं 28 के षिवनगर, नितिन नगर, गली नं.1,2,3,4 मीरा नगर, गेरू वाला बंगला, किचलू का बाड़ा, पीतल कारखाना, षिवहरे कॉलोनी, त्यागी नगर, भगवती कॉलोनी, काषीपुरा एवं अन्य आस-पास के क्षेत्रों में किया गया। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री वितरण करते हुये कहा कि कोविड-19 (कोरोना) वायरस के कारण जनता को काफी परेषानियों का सामना करना पड़ रहा है, निर्धन परिवारों के घर का चूल्हा उनकी रोजाना की जाने वाली मजदूरी से जलता है और वर्तमान में पूरे देष में चल रहे लॉकडाउन की वजह से हर तरह का कार्य ठप हो चुका है। डॉ. सिकरवार ने कहा कि आप सभी मेरे परिवार के सदस्य है और आपकी परेषानियों को दूर करना मेरा कर्तव्य है, इस संकट की घड़ी में आप लोगों को किसी भी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं आप लोगों को सरकार द्वारा जरूरत की हर वस्तु मुहैया कराई जायेगी। डॉ. सिकरवार ने खाद्यय् सामग्री वितरण करते हुय लोगों को कोरोना वायरस से बचने के उपायों के बारे में बताया। खाद्यय् वितरण करते हुये डॉ. सिकरवार के साथ भाजपा जिला मंत्री देवेन्द्र पवैया, भाजपा जिला मंत्री राकेष खुरासिया, पवन जैन, प्रमोद जैन, न्यास के सहसचिव अवधेष कौरव, वार्ड 27 पार्शद बृजेष गुप्ता, वार्ड 28 पार्शद पुरूशोत्तम टमोटिया, षिवराम जाटव, मुकेष दुबे, मनीश, देवेन्द्र कटारे, जबर सिंह, विजय बहादुर त्यागी, न्यास के प्रचार सचिव सुरेष प्रजापति, न्यासी आदित्य सिंह सिकरवार, आषीश साहू, कौषलेष कुषवाह, प्रदीप कुषवाह, राजेन्द्र राठी, अंकित कठठ्ल, गिरिष गुप्ता, रामकेष कौरव, गणेष सोनी, गंगाराम प्रजापति, भुवनेष सारस्वत, अभय कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478